पटना ●गुरुवार, 18 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:187 www.bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में... 3 www. bordernewsmirror.com 96 घंटे बाद दिव्यांका... 8

महाराष्ट्र की शिंदे सरकार की 'लाड़ला भाई योजना'

युवा बनेंगे 'लाड़ले', हर महीने मिलेंगे 10 हजार रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले ही मौजूदा सरकार ने सत्ता में वापसी के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। महाराष्ट्र सरकार ने लाडली बहना के बाद अब 'लाड़ला भाई योजना' लाने का ऐलान किया है।

इस योजना के तहत 12वीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों को हर महीने 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा इस योजना के तहत डिप्लोमा कर रहे छात्रों को हर महीने आठ हजार और ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने वाले स्टूडेंट्स को हर महीने 10 हजार रुपये देने का फैसला किया है।

सीएम शिंदे ने इस योजना को लेकर क्या कहा?

इस योजना का एलान करते हुए सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस योजना के तहत, हमारी सरकार राज्य के युवाओं को उन कारखानों में अप्रेंटिसशिप करने के लिए पैसे देने जा रही है जहां वे काम करेंगे। इस योजना के तहत हमारे युवाओं को फैक्ट्रियों में अप्रेंटिसशिप मिलेगी और सरकार उन्हें वजीफा देगी। सीएम शिंदे ने इस योजना को लेकर कहा कि सरकार की नजर में लड़का और लड़की में कोई फर्क नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि इतिहास में यह पहली बार है कि किसी सरकार ने ऐसी योजना लांच की है। आगे उन्होंने कहा कि इस योजना से हमने बेरोजगारी का समाधान ढूंढ लिया है।

'लाड़ला भाई स्कीम' का किसे मिलेगा लाभ?

इस योजना के तहत 12वीं पास करने वाले युवाओं को 6 हजार रुपये प्रति माह दिया जाएगा। तो, डिप्लोमा करने वाले युवाओं को 8 हजार रुपये दिए जाएंगे। वहीं, ग्रेजुएट युवाओं को 10 हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

योग्यता	राशि
12वीं पास	6 हजार रुपये
डिप्लोमा	8 हजार रुपये
ग्रेजुएट	10 हजार रुपये

क्या यूपी में होने जा रहा बड़ा बदलाव!

- सियासी गहमागहमी के बीच पीएम मोदी से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने की मुलाकात

नईदिल्ली/लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली। इस बैठक में हार पर चर्चा हुई। इस दौरान भूपेंद्र चौधरी ने पीएम मोदी को लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन की जानकारी दी। इसके अलावा संगठन के मुद्दे पर भी बातचीत की गई। माना जा रहा है कि यूपी में बीजेपी अध्यक्ष बदले जा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नतीजों पर समीक्षा के लिए पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व अलग-अलग राज्य के नेताओ से मिलकर लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन पर फीडबैक ले रहा है। एक दिन पहले यानी मंगलवार (16 जुलाई 2024) को ही केंद्रीय नेतृत्व ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य और यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ मुलाकात करके फीडबैक लिया।

क्या केशव मौर्य को फिर मिलेगी कुर्सी

एक दिन पहले यानी मंगलवार को ही केंद्रीय नेतृत्व ने यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य और यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के साथ मुलाकात करके फीडबैक लिया। सूत्रों के मुताबिक नया यूपी बीजेपी अध्यक्ष पिछड़े समाज से होगा। केशव प्रसाद मौर्य को नया यूपी बीजेपी अध्यक्ष बनाने पर चर्चा हो रही है।

सीएम योगी ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की- सीएम योगी आदित्यनाथ शाम 6 बजे राजभवन पहुँचे यहां उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। ये मुलाकात कई मायनों में अहम मानी जा रही है। माना जा रहा है कि सीएम योगी आदित्यनाथ मानसून सत्र के लिए निमंत्रण दे सकते हैं।

उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बैठक

यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर बैठक हुई जिसमें सरकार व संगठन के लोग शामिल हुए। बैठक में एक सीट की जिम्मेदारी तीन मंत्रियों को दी गई है। बैठक के बाद बाहर निकले कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई और सभी की जिम्मेदारी तय की गई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने सभी मंत्रियों को अपने प्रभारी क्षेत्र में जब तक चुनाव समाप्त न हो जाएं दो दिन-रात्रि विश्राम के निर्देश दिए।

उत्तर प्रदेश की सियासत में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की सियासत में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। बीजेपी को लक्ष्य के मुताबिक सीटें नहीं मिली है। यूपी में बीजेपी गठबंधन को सीटों के हुए भारी नुकसान को लेकर कई कारण सामने आ रहे हैं। वहीं हार की समीक्षा और आगामी उपचुनाव को लेकर बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इसी क्रम में योगी सरकार में नंबर दो की पोजिशन वाले उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मुलाकातों ने सियासी पारा बढ़ा दिया है।

हरियाणा सरकार का अग्निवीरों को तोहफा

- सरकारी नौकरी में मिलेगा 10 फीसदी आरक्षण

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को ग्रुप बी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयुसीमा में तीन साल की छूट देने का एलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने सिविल पदों पर अग्निवीरों की सीधी भर्ती पर आरक्षण की भी घोषणा की है।

हरियाणा सरकार देगी 10 फीसदी का आरक्षण- सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार 10 फीसदी आरक्षण देगी। अग्निवीर पीएम मोदी की लोकहित योजना है। अग्निवीर को ग्रुप बी और ग्रुप सी में अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। अग्निवीरों के घायल होने पर एक कमेटी जांच रिपोर्ट पूरी होने पर इलाज के पैसे दिए जाएंगे। इसके लिए हर जिले में कमेटी का गठन किया जाएगा। वहीं, पीड़ित की मौत हो जाने पर परिजनों को मुआवजा मिले। इसके साथ ही आर्म्स लाइसेंस की सुविधा सरकार अग्निवीरों को देगी। हरियाणा सीएम नायब सैनी ने कहा कि पुलिस, माइनिंग गार्ड की भर्ती कैटेगरी में 10 फीसदी का आरक्षण मिलेगा

उ.प्र.के 16 जिलों में बाढ़, 3 नदियां उफान पर

24 घंटे में 6 मौतें, कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 4 की मौत, 9 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ/नईदिल्ली। नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के 16 जिलों में बाढ़ के हालात लगातार बने हुए हैं। यहां तीन नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। राप्ती नदी, बूढ़ी राप्ती और क्यूनो नदी के उफान पर होने के कारण गोरखपुर, सिद्धार्थ नगर और गोंडा में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है।

पिछले 24 घंटे में बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि सभी की मौत डूबने से हुई है। इसके अलावा कर्नाटक में तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड के कारण 4 लोगों की मौत हो गई।

उधर, बिहार में भी बेतिया, बगहा, सीतामढ़ी, मधेपुरा, अररिया समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 24 से ज्यादा निचले इलाकों के गांव में बाढ़ का पानी घुस चुका है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

9 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान- मौसम विभाग ने बुधवार 17 जुलाई को मध्य प्रदेश,

राजस्थान, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और उत्तराखंड यानी 9 राज्यों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है। वहीं, 10 राज्यों तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मणिपुर, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

सबका साथ, सबका विकास की जरूरत नहीं : शुभेंदु अधिकारी

कहा-

- भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए; जो हमारे साथ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार (17 जुलाई) को कहा, 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब हम यह नहीं कहेंगे। अब हम कहेंगे जो हमारा साथ, हम उनके साथ... 'सबका साथ, सबका विकास कहना बंद

करो'। पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोले, भाजपा को अल्पसंख्यक मोर्चा की भी जरूरत नहीं है। हम जीतेंगे, हम हिंदुओं को बचाएंगे और संविधान को बचाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया था। शुभेंदु ने कुछ घंटे बाद सफाई दी, पीएम के बयान से कोई लेना-देना नहीं।

राजस्थान के 2 शहीदों का अंतिम संस्कार

जयपुर/झुंझुनू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद राजस्थान के झुंझुनू जिले के 2 जवानों का अंतिम संस्कार थोड़ी देर में होगा। शहीदों के सम्मान में स्थानीय लोगों ने उनके पार्थिव शरीर को लेकर तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। शहीद बिजेंद्र सिंह दौराता झुंझुनू के सिंघाना थाना इलाके के खुबा की ढाणी (डुमोली कलां) के रहने वाले थे और अजय सिंह भी इसी इलाके में भैसावता कलां के रहने वाले थे। बिजेंद्र सिंह की पार्थिव देह जब उनके घर पहुंची तो उन्हें देखकर मां बिलख पड़ी। वहीं बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए।

केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप

समिति के अध्यक्ष बोले-

- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सनसनी न फैलाएं, सबूत है तो कोर्ट जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी' अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 15 जुलाई को केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। इस पर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने

कहा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जाएं।

अजेंद्र अजय ने कहा- मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद खड़ा करना, सनसनी फैलाना और चर्चाओं में बने रहना अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में धोती पहने बुजुर्ग को नहीं मिला प्रवेश

कन्नड़ किसानों के संगठन ने मॉल के बाहर किया विरोध

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में एक बार फिर हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। कुछ महीनों पहले बेंगलुरु मेट्रो में एक किसान को प्रवेश नहीं मिला था अब अपने बेटे के साथ मॉल में फिल्म देखने पहुंचे एक बुजुर्ग को प्रवेश नहीं मिला, क्योंकि बुजुर्ग ने धोती पहने के साथ सिर पर साफी बांधी हुई थी। यह घटना कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में सामने आई है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में दावा किया गया है कि बुजुर्ग को धोती पहने होने के कारण मॉल में प्रवेश नहीं दिया गया। बुजुर्ग को उसका बेटे ऑनलाइन टिकट बुक करने के बाद फिल्म दिखाने के लिए जीटी वर्ल्ड मॉल लेकर गया था। इस घटना ने एक बार फिर से कई सवाल खड़े कर दिए है कि आखिर सिद्धारमैया सरकार के सख्त रवैए के बाद भी ऐसी घटना की पुनरावृत्ति क्यों हुई है।

बेंगलुरु के जीटी वर्ल्ड मॉल में यह घटना घटी। बेटे ने अपने पिता को फिल्म दिखाने के लिए टिकट बुक किया था। जब बेटा अपने पिता को लेकर मॉल पहुंचा तो सिक्योरिटी स्टॉफ ने प्रवेश देने से मना कर दिया है। सिक्योरिटी गार्ड ने कहा कि ऐसी ड्रेस पहनकर मॉल में जाने की अनुमति नहीं है। गार्ड ने कहा कि प्रवेश के लिए उन्हें पैंट पहनकर आना होगा।

मोदी सरकार की गठबंधन नीति

अपनों को हटाया, सहयोगियों को लाए, नीति आयोग में नई एंट्री

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बतौर पदेन सदस्य शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। नई सरकार बनने और मंत्रिपरिषद में कुछ नए मंत्रियों को जगह मिलने के बाद आयोग का पुनर्गठन किया गया है। आयोग के उपाध्यक्ष और पूर्णकालिक सदस्यों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं। हालांकि इस पुनर्गठन में सहयोगी दलों के सदस्यों की भी एंट्री हुई है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में बीजेपी अपने सहयोगी दलों का खासा ध्यान रख रही है।

सहयोगी दलों के पांच मंत्री हुए शामिल- सरकार ने मंगलवार जिस नीति आयोग का पुनर्गठन किया उसमें आमंत्रित सदस्यों की संख्या 5 से बढ़ाकर 11 कर दी गई है। इसमें बीजेपी के सहयोगी दलों के पांच मंत्री - एच डी कुमारस्वामी (जेडीएस), जीतन राम मांझी (एचएएम), राजीव रंजन सिंह (जेडीयू), के आर नायडू (टीडीपी) और चिराग पासवान (एलजेपी-राम विलास) शामिल हैं।

जिन सहयोगी दलों को शामिल किया गया है, उनमें कुमारस्वामी के पास भारी उद्योग और इस्पात विभाग है, मांझी के पास सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग है, राजीव रंजन सिंह उर्फ लालन सिंह के पास मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभाग है, नायडू के पास नागरिक उड्डयन विभाग है और चिराग पासवान के पास खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विभाग है।

किसको इस बार नहीं मिली जगह- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव, जो पहले विशेष आमंत्रित थे, इस बार सूची में नहीं हैं। गडकरी, वीरेंद्र कुमार और राव इंद्रजीत सिंह भी पहले विशेष आमंत्रित थे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को बतौर पदेन सदस्य शामिल किया गया है।

आने वाले दिनों में बिहार भी विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा होगा: सम्राट चौधरी

पटना, एजेंसी। बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नीतीश सरकार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा है कि देश के अन्य राज्यों की तरह बिहार का भी विकास होगा। आने वाले दिनों में बिहार भी विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित सहित अन्य योजनाओं के समुचित क्रियान्वयन के लिए अतिरिक्त राशि की जरूरत है जिसकी मांग केंद्र से की गई है। उन्होंने उम्मीद जताया कि केंद्र सरकार बिहार के विकास में खुलकर सहायता करेगी। बिहार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पूरा भरोसा है। जेडीयू बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने की मांग पहले से करती आ रही है। मंत्री विजय चौधरी ने फिर से पार्टी की मांग दुहराई है। उन्होंने कहा कि पीएम के दिल में भी बिहार के प्रति विशेष लगाव है। राज्य को पहले भी पैकेज व अन्य सुविधाएं मिली हैं। मोदी सरकार इस बजट में भी बिहार पर विशेष ध्यान देगी, यह उम्मीद है। उपमुख्यमंत्री सह वित्त एवं वाणिज्यकर मंत्री की जिम्मेवारी संभाल रहे सम्राट चौधरी

ने कहा कि सरकार के स्तर पर बिहार को क्या-क्या जरूरत है, यह मांग की जा चुकी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ प्री-बजट मीटिंग में बिहार सरकार की ओर से विस्तृत रूप से पूरी बात कही गई है। हमें पूरा भरोसा है कि बिहार सरकार की मांगों पर केंद्र सरकार सकारात्मक तरीके से विचार करेगी। इस बार राज्य सरकार ने बाजार से निर्धारित मानक से एक फीसदी अतिरिक्त कर्ज लेने की अनुमति मांगी है। एफआरबीएम (फिस्कल रिस्पांसिब्लिटी एंड बजट मैनेजमेंट एक्ट) के प्रावधान में थोड़ी राहत देते हुए राज्य के कुल सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर बाजार से कर्ज लेने की निर्धारित सीमा में एक फीसदी की बढ़ोतरी करने की मांग की गई है। वर्तमान में यह सीमा तीन फीसदी की है, जिसे बढ़ाकर चार फीसदी करने की मांग की गई है।

राज्य में नौ स्थानों पर एयरपोर्ट बनाने की मांग

राज्य में नौ स्थानों डेहरी, सहरसा, फारबिसगंज, मुंगेर, बेगूसराय, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, रक्सौल और गोपालगंज में नए एयरपोर्ट बनाने की कार्रवाई शुरू करने की मांग की गई है। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे, बक्सर-भागलपुर तथा आमस-दरभंगा सड़क को बोधगया, राजगीर, वैशाली से जोड़ने की मांग की गई है। मुंगेर, मोतिहारी, गोपालगंज, सुपौल, बेगूसराय, महुआ (वैशाली), और आरा में मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए अतिरिक्त धनराशि की मांग की गई है।

विशेष आर्थिक सहायता बिहार की जरूरत

इधर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट बिहार के लिए विशेष दर्जा या विशेष आर्थिक सहायता की मांग को औचित्य प्रदान करती है। यह बिहार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अकूत प्राकृतिक संसाधन हो। हमारे पास खनिज संपदा भी नहीं है। विजय चौधरी जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद हमने अपनी विश्वसनीयता प्रमाणित की है और विकास के कई मानकों में बिहार आज अधिकांश प्रदेशों से काफी आगे है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक व भौगोलिक कारणों से बिहार आज भी गरीब है और इसकी भरपाई के लिए राज्यों को विशेष आर्थिक मदद का संवैधानिक प्रावधान भी किया गया है।

बिजली के क्षेत्र में वन नेशन-वन टैरिफ की मांग

राज्य को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही बिजली के क्षेत्र में वन नेशन-वन टैरिफ की मांग भी रखी गई है। देश में प्रति व्यक्ति आय के मामले में बिहार पीछे है। जबकि जनसंख्या घनत्व सबसे ज्यादा है। फिर भी 2022-23 में बिहार की विकास दर 10.64 रही, जो देश में अव्वल है। केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि जिस तरह 2023-24 में विशेष कैपेक्स फंड के तहत राज्यों को अतिरिक्त सहायता के लिए एक लाख करोड़ का प्रावधान था, इसे 2023-24 में भी जारी रखा जाए। अंतरिम बजट में इसे घटाकर 55 हजार करोड़ कर दिया गया है। चौसा में थर्मल पॉवर प्लांट योजना के लिए भी मदद मांगी गई है।

प्रदेश में आतंकराज, अपराधियों का मनोबल बढ़ा : तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के बाद विपक्ष के नेताओं ने राज्य में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी कर स्पीडी ट्रायल कर सजा दिलाने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि इस घटना से स्तब्ध हूं। प्रदेश में आतंकराज है। डबल इंजन की सरकार में सत्ता पोषित, संरक्षित और प्रायोजित अपराधियों का मनोबल बढ़ चुका है। एनडीए सरकार सच्चाई स्वीकारने के बजाय डायलॉग दोहराती रहती है कि सुशासन का राज है। टायर्ड नेता और रिटायर्ड अधिकारी प्रदेश की विधि व्यवस्था संभालेंगे तो यही हश्र होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार सरकार से अपेक्षा है कि वह तुरंत कार्रवाई कर हत्यारों को कड़ी सजा दिलवाए और सहनी परिवार को न्याय दिलाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि राज्य में कानून का राज खत्म है और पुलिस व्यवस्था ध्वस्त है। प्रदेश में नीतीश सरकार ने गुंडाराज स्थापित कर दिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पांडेय ने कहा कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए। बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। इस घटना ने सरकार के सुशासन के दावे को तार-तार कर दिया है। वीआईपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति ने कहा कि सरकार जब एक पूर्व मंत्री के पिता को सुरक्षा नहीं दे सकती है तो आम इंसान के लिए बात करना ही बेमानी है। आप के प्रदेश प्रवक्ता बबलू प्रकाश ने कहा कि भाषणों मे बिहार में कानून का राज है कहने वाले सीएम नीतीश कुमार बिहार में बढ़ते अपराध पर चुप क्यों हैं?

संक्षिप्त समाचार

नगर के सभी 45 वार्डों में मच्छर निरोधक एंटी लार्वा दवा का छिड़काव

हाजीपुर, एजेंसी। नगरीय क्षेत्रों में मच्छरों के बढ़ रहे प्रकोप से बचाव के लिए एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जाएगा। मंगलवार को नगर की सभापति संगीता कुमारी ने एंटी लार्वा दवा के छिड़काव के लिए टीम को रही झंडी दिखा कर रवाना किया। इसी के साथ दवा और छिड़काव मशीन के साथ कर्मी वार्ड के लिए रवाना हो गए। सभापति ने कहा कि मच्छरों से बचाव के लिए सभी वार्डों में छिड़काव की योजना तैयार की गई। सभी 45 वार्डों में एक साथ कीटनाशक दवा का छिड़काव की सारी तैयारी कर ली गई है। नगर के सभी 45 वार्डों में एक-एक छिड़काव कर्मी की ड्यूटी लगाई गई है। नगरीय क्षेत्र के सभी नालों और जल जमाव व गंदगी वाले क्षेत्रों में किटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाएगा। छिड़काव कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए सुपरवाइजर भी रखा गया है। छिड़काव कर्मियों को वार्ड में भेजने के समय कार्यपालक पदाधिकारी सुशील कुमार सभापति के साथ मौजूद थे।

कुढ़नी के बच्चे में मिला एईएस

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कुढनी के साढ़े तीन वर्षीय बच्चे हुसैन में एईएस की पुष्टि हुई है। इसकी जानकारी जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ सतीश कुमार ने दी। बच्चे को 15 जुलाई को चमकी के लक्षण पर एसकेएमसीच में भर्ती कराया गया था और 16 जुलाई को ठीक होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया। बच्चे में एईएस का कारण हाइपोग्लाइसीमिया बताया गया है। जिले में इस वर्ष एईएस के 26 मरीज मिले हैं। एसकेएमसीएच में अब तक 46 मरीज भर्ती हो चुके हैं। सोमवार को भी कटरा की एक बच्ची में एईएस मिला था। मुजफ्फरपुर में अब तक बोचहां में 2, कांटी में 1, कटरा में 2, कुढनी में 4, मीनापुर में 5, मोतीपुर में 2, मुसहरी में 5, पारू में 1, सकरा में 1, सरैया में 1 और शहरी क्षेत्र में 2 मरीज मिले हैं।

बेटे की शादी का सपना नहीं हुआ पूरा

दरभंगा, एजेंसी। जीतन सहनी की अपने छोटे बेटे संतोष सहनी की शादी की अंतिम इच्छा भी पूरी नहीं हो सकी। उनकी इच्छा थी कि अपने छोटे पुत्र संतोष की शादी धूमधाम से करेंगे, लेकिन भगवान को कुछ और ही मंजूर था। इस गम भरी चर्चा के बीच रात करीब पौने नौ बजे वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी अपने पैतृक गांव बिरौल थाने के अफजला पहुंचे। उनके पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार रस्म शुरू हुई। पूर्व मंत्री मुकेश सहनी अपने पिता की अर्थी को कंधा देकर मां मीना देवी के स्मारक स्थल के पास ले गए। वहां ठीक बगल में पिता जीतन सहनी की अंत्येष्टि स्थल बनाकर उन्होंने अपने पिता को मुखाग्नि दी। अंत्येष्टि में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मौके पर छोटे भाई संतोष सहनी, बिहार सरकार के मंत्री मदन साहनी, महेश्वर हजारी, पूर्व मंत्री व विधायक ललित कुमार यादव, यूपी के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद आदि सहित कई गणमान्य लोग थे।

पेय जल योजना को लेकर प्रिंसिपल से मांगा गया जवाब:किशनगंज में विभाग को मिली थी शिकायत, डीईओ ने लिखा पत्र

किशनगंज , एजेंसी। किशनगंज में शिक्षा विभाग में कार्य करने वाले संवेदकों और भ्रष्ट अधिकारियों पर विभागीय शिकंजा कसना शुरू हो चुका है। मालूम हो कि जिला शिक्षा पदाधिकारी मो जफर आलम ने जिले के सभी प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक को पत्र लिख कर तीन दिनों के अंदर पेय जल योजना की राशि निकासी के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। जानकारी के अनुसार विद्यालयों में बच्चों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए राशि दी की गई थी। इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और राशि की बंदर बांट होने की शिकायत मिलने के बाद अब जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्टीकरण मांगा है। सूत्रों की माने तो जमीन पर जो काम होना चाहिए था वह नहीं किया गया। जारी पत्र के अनुसार 109 प्राथमिक और मध्य विद्यालयों को दो लाख पचास हजार की दर से ड्राइंग लिमिट दिया गया था। वहीं 64 उच्च विद्यालयों को राशि दो लाख 72 हजार की दर से ड्राइंग लिमिट दिया गया था। इसमें 93 प्राथमिक और मध्य विद्यालय और 58 उच्च विद्यालय की ओर से राशि की निकासी की गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने प्रधानाध्यापकों से जवाब मांगा है कि राशि निकासी का आधार क्या था और कितना फिट बोरिंग करवाया गया है।

खुसरूपुर में दहेज के लिए महिला की हत्या :7 महीने की प्रेग्नेंट भी थी, परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप

पटना, एजेंसी। पटना के खुसरूपुर में दहेज और लड़की नहीं पसंद आने को लेकर 7 माह के गर्भवती महिला की गला दबाकर हत्या का मामला प्रकाश में आया है। लड़की के परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए लड़की के सास, ससुर, पति पर मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। फतुहा डीएसपी पंकज कुमार ने बताया कि खुसरूपुर थाने के हैबतपुर गांव में एक महिला के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या का मामला प्रकाश में आया है। उन्होंने बताया कि युवती के परिजनों के द्वारा जो लिखित आवेदन प्राप्त हुई है। उसके आधार पर युवती के ससुराल वालों के खिलाफ प्राथमिक की दर्ज कर छापेमारी शुरू कर दी गई है।

अक्सर होती थी मारपीट

लड़की के भाई मुकेश कुमार ने बताया कि उनकी बहन संगीता कुमारी की शादी वर्ष 2021 में खुसरूपुर में की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके ससुराल वाले बराबर उनकी बहन के साथ मारपीट किया करते थे। मंगलवार की सुबह उनकी बहन ने फोन कर बताया कि उनके साथ मारपीट की जा रही है और घर में बंद कर दिया गया है। मायके वाले संगीता कुमारी के घर पहुंचे तो देखा कि संगीता का शव घर के आंगन में पड़ा है। सभी लोग घर बंद कर फरार हो गए हैं। उन्होंने इसकी सूचना खुसरूपुर थाना को दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने स्कूली छात्राओं को किया जागरूक

रक्सौल में डीएसपी ने कहा- किसी भी तरह की परेशानी होने पर पुलिस से करे संपर्क

मोतिहारी, एजेंसी। पूर्वी चंपारण के रक्सौल पुलिस की ओर से मंगलवार को रामजानकी मंदिर रोड स्थित कस्तूरबा बालिका हाई स्कूल में जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। इसमें अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं से बातचीत किया। स्कूली छात्राओं को संबोधित करते हुए डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने कहा कि आप सभी मन लगाकर पढ़ाई कीजिए।

पुलिस आपकी सुरक्षा के लिए हर वक्त मुस्तैद

आपकी सुरक्षा का ख्याल रखने के लिए पुलिस मुस्तैद है। लड़कियों और महिलाओं की सुविधा के लिए हर थाना में बिहार पुलिस की ओर से महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। जहां पर आप अपनी बातों को बिना किसी परेशानी के महिला पुलिस पदाधिकारी के साथ समस्या को शेयर कर सकती है। किसी भी तरह की परेशानी होने पर आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 या अपने नजदीकी थाना के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकती है।

इसके साथ ही डीएसपी धीरेंद्र कुमार ने स्कूली छात्राओं को अपना सरकारी नंबर भी दिया। वहीं महिला पुलिस पदाधिकारियों के साथ पहुंची पुलिस टीम को देख कर स्कूली छात्राएं काफी उत्साहित दिखी। जागरूकता के बाद स्कूली छात्राओं को पाठ्य सामग्री पुलिस की ओर से दी गई।

मौके पर रक्सौल थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा, महिला पुलिस पदाधिकारी एकता सागर, प्रयास संस्था की समन्वयक आरती कुमारी, माहेर ममता निवास की सुप्रिया बोदरा सहित विद्यालय के शिक्षक और अन्य लोग मौजूद थे।

बिहार में 2,558 ग्रामीण डाक सेवक नियुक्त होंगे: 5 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

6 से 8 अगस्त तक आवेदन में हुई गलतियों में सुधार का मौका

पटना, एजेंसी। डाक विभाग की ओर से बिहार डाक सर्कल में ग्रामीण डाक सेवकों के 2558 पदों के लिए वैकेंसी निकली है। इसके लिए आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

5 अगस्त तक आवेदन करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। वही 6 से 8 अगस्त तक आवेदन में हुई त्रुटियों में सुधार का मौका मिलेगा। योग्य उम्मीदवार डाक विभाग की आधिकारिक पर जाकर इसके लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

जीडीएस की तीन वर्गो के लिए निकाली वैकेंसी : यह वैकेंसी जीडीएस के तीन वर्गों के लिए निकली है। इनमें ब्रांच पोस्टमास्टर, असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर और डाक सेवक का पद शामिल है। दसवीं पास उम्मीदवार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन से पहले उम्मीदवारों का अपना पंजीयन करना होगा।

दसवीं में प्राप्त अंकों के आधार पर आवेदकों का चयन : सभी पद पर आवेदन करने के लिए आवेदकों की न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष वही अधिकतम आयु सीमा 32 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित श्रेणी में आने वाले उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र सीमा में छूट भी दी जाएगी। आवेदकों का चयन दसवीं में प्राप्त अंकों के आधार पर की जाएगी। परिमंडल की ओर से अंकों के आधार पर मेधा सूची जारी की जाएगी। दस्तावेजों को सत्यापन के बाद नियुक्ति होगी।

विपक्ष ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

दरभंगा, एजेंसी। राजद के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक भोला यादव ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि वीआईपी सुप्रीमो व पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की निर्मम हत्या की खबर सुनकर काफी मर्माहत हूं। उनकी हत्या जिस तरह से घर में घुसकर की गई है, लगता है कि राज्य में शासन नाम की कोई चीज ही नहीं है। मैं इस कायराना कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं। वहीं, राजद के वरिष्ठ नेता व दरभंगा के पूर्व महापौर ओमप्रकाश खेड़िया ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था एकदम चौपट हो गयी है। श्री खेड़िया ने मुकेश सहनी के पैतृक गांव जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सरकार से मांग की है कि अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो तथा कड़ी सजा दी जाए।

19 , 20 और 21 जुलाई को जिले में 22 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का है आयोजन, 15328 अभ्यर्थी होंगे शामिल

निर्देश : परीक्षार्थियों को सुबह 09:30 बजे से प्रवेश करने की अनुमति

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा अध्यापक नियुक्ति प्रतियोगिता पुनर्परीक्षा जिले में 19, 20 व 21 जुलाई को होगी। 19 जुलाई को 14 केंद्रों पर कुल 9756, 20 जुलाई को चार केंद्रों पर कुल 2774 व 21 जुलाई को चार केंद्रों पर 2798 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। इस तरह कुल 22 केंद्रों पर कुल 15328 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा 12 बजे से अपराह्न 2.30 बजे तक आयोजित जाएगी। डीएम सौरभ जोरवाल ने बैठक के दौरान कहा कि परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को सुबह 09.30 बजे से प्रवेश की अनुमति रहेगी। परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पहले अर्थात 11 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी को परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास 144 लागू करने का निर्देश दिया गया है। डीएम ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टैटिक दंडाधिकारी सह केंद्र प्रेक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है जो स्वच्छ वातावरण में परीक्षा सम्पन्न कराने का काम करेंगे। सभी कर्मी 8.30 बजे तक प्रतिनियुक्ति केंद्र पर होंगे मौजूद, कड़ी होगी निगरानी डीएम ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी 08.30 बजे पूर्वाहन तक अपनी प्रतिनियुक्ति स्थान ग्रहण कर लेंगे। परीक्षा केंद्र के भीतर परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अनधिकृत प्रवेश वर्जित रहेगा तथा परीक्षा केंद्र में प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की तलाशी निश्चित रूप से ली जाएगी। कोई भी परीक्षार्थी किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाईल, ब्लूटूथ, पेजर, घड़ी आदि लेकर नहीं जाएगा। परीक्षा कक्ष में एक बेंच पर दो से अधिक अभ्यर्थी नहीं बैठेंगे। सभी परीक्षा कक्षा में सीसीटीवी कैमरा लाइव मोड में रहेगा। परीक्षा केंद्र पर जैमर लगाने की व्यवस्था कराई गई है। परीक्षार्थियों का बायोमेट्रिक अटेंडेंस लिया जाएगा। परीक्षा केंद्र पर गेट से अंदर प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी। परीक्षा कक्षा में वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति के पहले केंद्र अधीक्षक और स्टेटिक मजिस्ट्रेट के द्वारा वीक्षकों का रेंडमाइजेशन किया जाएगा।

विपक्ष ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

दरभंगा, एजेंसी। राजद के राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व विधायक भोला यादव ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि वीआईपी सुप्रीमो व पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की निर्मम हत्या की खबर सुनकर काफी मर्माहत हूं। उनकी हत्या जिस तरह से घर में घुसकर की गई है, लगता है कि राज्य में शासन नाम की कोई चीज ही नहीं है। मैं इस कायराना कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं। वहीं, राजद के वरिष्ठ नेता व दरभंगा के पूर्व महापौर ओमप्रकाश खेड़िया ने कहा कि बिहार में कानून व्यवस्था एकदम चौपट हो गयी है। श्री खेड़िया ने मुकेश सहनी के पैतृक गांव जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सरकार से मांग की है कि अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो तथा कड़ी सजा दी जाए।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में हुआ संपन्न

बीएनएम। तुरकौलिया

मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। मुहर्रम पर्व को लेकर सेमरा टोला, औरैया, सरिसवा, डाबरा, कोरैया, मठवा, बलही, सेनवरिया, फतेहटोला, बिचलटोला, कवलपुर, तुरकौलिया, व्रहमटोला आदि दर्जनों गांवों से जुलूस निकालकर लोग करबला पहुंचे थे। इस दौरान सभी लकड़ी का करतब दिखाते हुए जुलूस की शक्ल में चल रहे थे। जगह जगह रुक-रुककर लकड़ी का करतब दिखाते हुए करबला पहुंचकर लकड़ी खेलते हुए जुलूस का समापन किए। प्रशासन ने ड्रोन कैमरा से सभी लोगो पर नजर रखी थी। शांति माहौल में पर्व संपन्न कराने में जनप्रतिनिधियों व समाजिक कार्यकर्ताओं का अहम योगदान रहा। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुरेश यादव, व सीओ संतोष कुमार ने अपने दलबल के साथ गश्ती कर रहे थे। वही समाजसेवी कमरुद्दीन अंसारी, जिला परिषद प्रतिनिधि हेमन्त किशोर वर्मा ने शांति पूर्वक पर्व को मानने में बड़ी भूमिका निभाई है। मुखिया अशरफ आलम, रामजन्म पासवान, निवर्तमान मुखिया बेबी आलम, विनोद सहनी, कमरूज्जमा, अजमल कमाल, सत्येंद्रनाथ तिवारी, मनोज यादव, चंदन सिंह, अजय सहनी, राजन वर्मा, राजकुमार अंजुमन आदि जनप्रतिनिधि शांति व्यवस्था बनाने में जुटे थे।

पताही। प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न जगहों पर बुधवार को मुसलमानों का महान पर्व मुहर्रम ताजिया समाचार लिखे जाने तक शांतिपूर्वक प्रशासनिक भारी सुरक्षा के बीच संपन्न हो गया। मुसलमानों का यह ताजिया मुहर्रम महान पर्व पदुमकेर, जिहुली सहित विभिन्न पंचायतों मे हिंदू मुसलमान एकता का प्रतीक आज भी कायम है। पदुमकेर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सरोज कुमार सिंह ने बताया कि पताही प्रखंड के विभिन्न पंचायत में हिंदुओं के द्वारा बरसों से ताजिया निर्माण में सहयोग किया जा रहा है, जहां हिंदू के सहयोग से ताजिया बनाया जाता हैं। वही इस तजिया को हिंदू एवं मुसलमानों के द्वारा उठाकर बनाए गए तजिया को कर्बला पर ले जाते हैं। जो देखते ही बनता है, वहां हिंदू-मुसलमान एक साथ ताजिया जुलूस में एक साथ चलते और खेलते हुए देखे जाते हैं। जो हिंदू-मुस्लिम एकता का परिचय है। वही सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में अंचल अधिकारी नजनी अख्तर, प्रखंड विकास पदाधिकारी सम्राट जीत, पुलिस निरीक्षक सह थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार, दरोगा संजय चौधरी, धनंजय कुमार, राजीव कुमार, सहित बिहार पुलिस व होम गार्ड की जवान लगातार फ्लैग मार्च करते रहे।

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम संपन्न हुई। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि कहीं से भी कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है, शांतिपूर्ण वातावरण में पुलिस बल के सहयोग से शांतिपूर्ण माहौल में मोहर्रम को संपन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि अतिसंवेदनशील जगहों पर पुलिस पदाधिकारी और फोर्स की व्यवस्था की गई थी, साथ ही अन्य पदाधिकारी को गस्ती में लगाया गया था। जहां-जहां भी मुहर्रम का त्यौहार मनाया गया है, उसे जगह पर पुलिस पदाधिकारी की पौनी नजर थी। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र के सभी जगह पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

बंजरिया मे चार अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

बीएनएम।पूर्वी चंपारण

पुलिस ने जिलान्तर्गत बंजरिया थाना क्षेत्र में चाटी माई सड़क में के०टी० कॉलेज के पीछे एक टेम्पू पर सवार चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उक्त अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में एकत्रित हुए थे। सूचना के सत्यापन एवं अग्रतर कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक, सदर-01 शेखर चौधरी के नेतृत्व में थानाध्यक्ष, बंजरिया एवं अन्य पुलिसकर्मी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर छापामारी कर चार अपराधी को पकड़ा गया,जिसके पास से टेम्पू , आर्म्स व जिंदा कारतूस बरामद किया है। बंजरिया थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार अपराधियो में अनुप कुमार, विक्की कुमार, रिजवान आलम नौशाद आलम, थाना-बंजरिया, जिला-पूर्वी चम्पारण शामिल है। जिसके पास से 1 देशी पिस्टल ,मैगजीन 01, जिंदा कारतूस-02 , चाकू 1 , इंडियन करेंसी 1 हजार , नेपाली 4 सौ रुपया, 2 मोबाइल फोन व टेम्पू बरामद किया गया। पुलिस टीम डीएसपी के अलावें बंजरिया थानाध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ,एसआई कामेश्वर सिंह ,किशन कुमार,त्रिभुवन कुमार सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

हिन्दू परिवार के दरवाजे पर लगता है ताजिया का मेला, हिंदू मुस्लिम एकता की मिसाल है ढेबवा गांव

बीएनएम। गोपालगंज

हिन्दू मुस्मिल एकता की मिसाल देखनी हो तो बिहार के गोपालगंज जिले के ढेबवा गांव में आइए। जी हां, यहां कई दशकों से एक हिन्दू परिवार के दरवाजे पर ताजिये का मेला लगता है। यही नहीं हिन्दू परिवार के लोग ही इस ताजिये के मेले की पूरी व्यवस्था करते है, जहां एक तरफ हिन्दू मुसलमान को लेकर तरह तरह की बातें होती हैं। वहीं इस गांव की सदियों से चली आ रही यह परंपरा एक मिसाल कायम कर रहा है। इस साल भी यहां कई गांवों के ताजिये रखे गए।

ढेबवा गांव जिला मुख्यालय से 30 किमी की दूरी पर स्थित है। गांव के लोगों की मानें तो यहां के स्व बद्रीनाथ सिंह के दरवाजे पर करीब नौ दशक पहले से ताजिये का मेला लगता आ रहा है। यहां स्वयं शीतला प्रसाद सिंह का परिवार अपने दरवाजे पर ताजिये का मेला लगवाता था। शीतला बाबू के निधन के बाद यह जिम्मेदारी उनकी पत्नी राजकल्ली देवी ने निभाई और यह परंपरा अब तक जारी है। इसके बाद उनके बेटे स्व ब्रदी प्रसाद नारायण सिंह की देख रेख में यह आयोजन होता रहा। उनके निधन के बाद अब बद्री बाबू की अगली पीढी जगदंबा सिंह, दिवाकर सिंह आगे बढा रहे हैं।

उनके साथ ही परिवार की पांचवीं पीढी प्रभाकर सिंह, सुधाकर सिंह गुडडू सिंह, विरेंद्र सिंह आदि भी बढ चढकर हिस्सा ले रहे हैं।हर साल की तरह इस वर्ष भी यहां मुहर्रम के ताजिये का मेला आयोजित किया गया, जिसमें 10 गांवों के लोग हिस्सा लेते हैं। इस साल भी मेले की व्यवस्था में मोती साह, सुरेंद्र बरनवाल, अभिषेख मिश्रा, अर्जुन राय, रुनझुन तिवारी, मंजूर मिया आदि जुटे रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

शिक्षक देगें 21 को समाहरणालय पर धरणा

मुख्यमंत्री की घोषणा को लागू करे विभाग -शिक्षक संघ

बीएनएम। मोतिहारी

टीईटी एसटीईटी उत्तीर्ण नियोजित शिक्षक संघ पूर्वी चंपारण जिला इकाई की बैठक प्रदेश कमिटी के अह्वान पर नरसिंह बाबा मंदिर प्रांगण में जिला अध्यक्ष प्रियरंजन सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण तिथि से राज्य कर्मचारी की दर्जा देने, पदस्थापन की प्रक्रिया में मेधा अंक को प्राथमिकता देने, शिक्षकों का ऐच्छिक पदस्थापन, विद्यालय अवधि का संचालन मुख्यमंत्री के आदेश अनुसार 10 से 4 करने आदि पर विशेष रूप से चर्चा हुई। उपरोक्त सभी मांगों के समर्थन में राज्य कमिटी की राज्य व्यापी आह्वाहन पर 21 जुलाई को समाहरणालय के समक्ष मौन प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक को महासचिव ओमप्रकाश सिंह, रुमित रौशन, मणिभूषण यादव, सर्वेश शर्मा, संतोष कुमार, रंजित राम, अखिलेश आनंद यादव, रंजित कुमार इत्यादि लोगो ने संबोधित करते हुए उपरोक्त मुद्दों को उठाया।

व्हाट्सएप पर हथियार की तस्वीर भेजकर एसडीओ को दी धमकी,आरोपित युवक गिरफ्तार

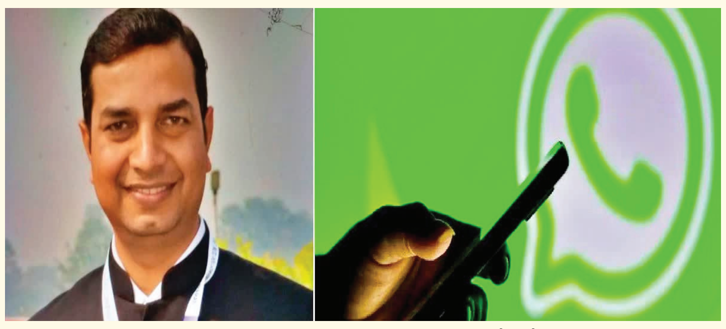

बीएनएम।पूर्वी चंपारण

जिले के अरेराज अनुमंडल के एसडीओ को व्हाट्सएप पर हथियार की फोटो भेजका धमकी देने का मामला सामने आया है,हालांकि पुलिस ने फौरन कारवाई करते हुए धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिय है। जानकारी के अनुसार आरोपित के फोन से कई आपत्तिजनक सामग्री मिले है। पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है, इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा। बताया गया कि अरेराज एसडीओ अरुण कुमार के व्हाट्सएप पर मंगलवार को किसी ने हथियारों की तस्वीर भेजकर उन्हें धमकी दी थी। जिसकी जानकारी एसडीओ ने स्थानीय पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीओ को धमकी देने वाले युवक के फोन को ट्रैक कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक के मोबाइल की जांच की गई तो उसके फोन से पुलिस को कई आपत्तिजनक सामग्री मिली है। गिरफ्तार युवक पहाड़पुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है और दिव्यांग है। अरेराज एसडीओ अरुण कुमार ने बताया कि एक अंजान नंबर से मेरे व्हाट्सएप पर कई हथियार की तस्वीर भेजी गई थी और धमकी भी दी गई थी।उसके बाद उन्होंने स्थानीय थाना को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि मैसेज भेजने वाले युवक को मोबाइल समेत गिरफ्तार कर लिया गया है।जब्त मोबाइल में कई आपत्तिजनक सामग्री मिली है। गिरफ्तार युवक द्वारा कई अधिकारियों को मैसेज भेजकर धमकी दिए जाने का प्रमाण भी उसके मोबाइल से मिला है। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

मेहसी में ताजिया जुलुस में लहराया फिलिस्तीनी झंडा,पुलिस ने लिया हिरासत में

बीएनएम।पूर्वी चंपारण

पूर्वी जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह मुहर्रम को लेकर निकाले गए ताजिया जुलूस में एक लड़के के हाथ में फिलिस्तीन का झंडा फहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है। उक्त वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।मिली जानकारी के अनुसार मुहर्रम को लेकर मेहसी नगर पंचायत के वार्ड नं 10 से तजिया जुलूस निकाला गया था। इसमें 20 से 30 की संख्या में युवक हाथों मे लाठी डंडा व तलवार जैसे परंपरागत हथियार लेकर करतब दिखा रहे थे। इस बीच एक युवक हाथ में फिलिस्तीन का झंडा लेकर घुमा रहा था। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।मामले को लेकर चकिया डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि एक युवक फिलिस्तीन का झंडा लेकर ताजिया जुलूस में घूम रहा था। वहीं वीडियो सामने आने के बाद उसकी जांच कर वीडियो में दिख रहे युवक को हिरासत में लिया गया है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। इसके बाद आगे विधिसम्मत कारवाई की जाएगी।उल्लेखनीय है,कि हाल के दिनो में जिले के चकिया अनुमंडल के चकिया और मेहसी में प्रतिबंधित संगठन सिमी से जुड़े कई युवक गिरफ्तार किये है।फिलहाल इस युवक की पहचान गोपनीय रखते हुए पूछताछ की जा रही है।

पंचायतों के विकास हेतु संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में लाएं तेजी : जिलाधिकारी

- जिलास्तरीय अधिकारियों से क्रियान्वित योजनाओं की करायी जायेगी गहन जांच
- जिलाधिकारी द्वारा की गई ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

क्रियान्वित योजनाओं को विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुणवता के आधार पर ससमय कराएं पूर्ण

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने समाहरणालय सभाकक्ष में ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। इस बैठक में जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी पंचायती राज पदाधिकारी, सभी कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) सहित संबंधित अन्य अधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता सम्मिलित हुए। ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि पंचायतों के विकास हेतु संचितल योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाय। इस हेतु क्रियान्वित योजनाओं को विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुणवता के आधार पर ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) क्रियान्वित योजनाओं की नियमित रूप से जांच करेंगे। कार्य पूर्ण होने के उपरांत भौतिक रूप से सत्यापन करने के बाद ही भुगतान की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। बारिश को लेकर क्षतिग्रस्त योजनाओं को तीव्र गति से ठीक कराएंगे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पंचायतों का विकास बाधित नहीं हो, इस हेतु तत्परतापूर्वक कार्य करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सार्वजनिक कुंओं को चिन्हित कर उनका जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। इसके साथ ही सोख्ता का निर्माण भी कराया जा रहा है। इससे संबंधित लंबित मामलों को त्वरित गति से पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने सभी कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) को निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाते हुए कार्य गुणवतापूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही योजनाओं से संबंधित अभिलेखों का संधारण समुचित तरीके से किया जाय। कार्यपालक अभियंता, मनरेगा तथा कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा क्रियान्वित योजनाओं की नियमित रूप से समीक्षा एवं निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि जिलास्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा ग्रामीण विकास विभाग एवं जिला पंचायती राज विभाग द्वारा जिले में क्रियान्वित योजनाओं की गहन जांच करायी जायेगी। प्लांटेशन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बेतरतीब तरीके से पौधारोपण नहीं कराएं। पौधारोपण व्यवस्थित तरीके से कराएं ताकि बाद में परेशानियों का

सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि लक्ष्य के अनुरूप जिले में शत-प्रतिशत प्लांटेशन हो जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि डब्ल्यूपीयू एवं पंचायत सरकार भवन हेतु जमीन का एनओसी यथाशीघ्र समर्पित कर दिया जाय। आवास योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अपूर्ण आवास योजना को जल्द से जल्द पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय। प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण का पूर्णता प्रतिशत बढ़ाया जाय। जिले में अभियान चलाकर विभिन्न आवास योजना से लाभुकों को लाभान्वित किया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि आवास पूर्ण होने के बाद लाभुकों को तृतीय किस्त का भुगतान नियमानुसार कर दिया जाय। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय को व्यवस्थित रखेंगे। कार्यालयों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित करेंगे। विभिन्न कार्यों से आने वाले ग्रामीणों को अच्छे से सुनेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान नियमानुसार करेंगे। सभी अधिकारी अपने-अपने मुख्यालय में बने रहेंगे। सक्षम प्राधिकार के स्वीकृति के बगैर मुख्यालय से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि सीडब्ल्यूजेसी/एमजेसी से संबंधित मामलों को गंभीरता से लेते हुए अग्रतर कार्रवाई ससमय कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर सभी अधिकारी अलर्ट रहेंगे तथा असामाजिक तत्वों पर नजर बनाकर रखेंगे। तथा उनके विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विनोद कुमार, वरीय उप समाहर्ता बेबी कुमारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पर्यटन नगरी में नेटवर्क का है बुरा हाल वीटीआर को वाई फाई जोन घोषित करने की उठी मांग

बीएनएम। बगहा। बगहा पुलिस जिला के एक मात्र पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर में नेटवर्क का बुरा हाल हो चला है।या यूं कहें कि बीएसएनएल, जिओ, ऐयरटेल जैसे सभी नेटवर्किंग का हाल बद से बदतर हो चला है। समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने बताया कि एक तरफ कुछ नेटवर्क कंपनी ने रिचार्ज के रेट बढ़ा दिए है तो दूसरी तरफ नेटवर्क की हालत बदतर हो चली है। ऐसे हालत और नेटवर्क कंपनियों की मनमानी रवैये को देखते हुए पर्यटन और वन विभाग पूरे वाल्मीकिनगर को वाई फाई जोन घोषित कर स्थानीय व पर्यटकों को फ्री नेटवर्किंग का लाभ दे।ताकि पर्यटक नेटवर्क विहीन डिस्टिनेशन पर भी प्रकृति नज़रों का लुफ्त उठाते हुए नेटवर्क का बखूबी इस्तेमाल कर सके। बतादें की वाल्मीकिनगर के बड़े रिहायशी इलाके जलसंसाधन विभाग के ऊपरी शिविर 3 नम्बर पहाड़, निचला शिविर ई टाइप कॉलोनी, हॉस्पिटल कॉलोनी, मोहरा टोला, छाता चौक, ऑफिस एरिया, हाई स्कूल, पोस्टऑफिस, कॉलेज,जंगल कैम्प, इको पार्क, गेस्टहाउस, वाल्मीकि बिहार, पाथवे, झूलापुल आदि पर्यटक स्थलों पर नेटवर्क पूरी तरह से नदारत रहता है। जिससे पर्यटक इन क्षेत्रों में ज्यादा देर तक समय नहीं देते है। आज के दौर में नेटवर्क इंसानों के लिए लाइफ लाइन बन चुकी है इसके बिना कोई भी व्यक्ति खुद को अधूरा समझता है। ऐसे में पर्यटन नगरी को वाई फाई फ्री करने से पर्यटन को चार चांद लगेंगे और लोगों को घटिया नेटवर्क से छुटकारा मिल जाएगा।

मनुआपुल तथा सिरसिया थानाक्षेत्र में हर्षोल्ल्लास से सम्पन्न मुहर्रम त्योहार

बीएनएम। चनपटिया। बुधवार को मनुआपुल तथा सिरसिया थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर को मुहर्रम पर्व को लेकर मेला एवं तजिया जुलुस निकाला गया। वरीय पुलिस के कड़े निर्देश पर चप्पे-चप्पे पर महिला तथा पुलिस कर्मी के मौजूदगी में शान्तिपूर्ण माहौल मे संपन्न हुआ। मनुआपुल थाने के क्षेत्र हिरा पाकड़,जोकहा, गुरवलिया, तुरहापट्टी जबकि सिरसिया थाने के सबेया कला, मुशहरी, बिजबनिया सहित अन्य जगहो पर मेला का भव्य आयोजन एवं जुलूस निकाला गया। लोगो मे काफी उत्साह के साथ मुहर्रम पर्व में अपने कर्तव्य को देखने को मिला। मुहर्रम पर्व सम्पन्न कराने के लिए मनुआपुल थाना प्रभारी नरेश कुमार एवं सिरिसियां थाना प्रभारी मदन कुमार मांझी अपने क्षेत्रों में दल बल के साथ सभी चौक चौराहे एवं मेला स्थल पर कड़ी सुरक्षा व सजग पर काफी मुस्तैद दिखे। सिरसिया के अपर थानाध्यक्ष कार्वेन्द्र पासवान ने बताया कि विवादित जगह पर ख़ुद मौजूद थे। वहां के सजग जनता काफी ही हंसते-मुस्कुराते इस त्योहार को सम्पन्न कराने में मदद किया।

खेत मे काम कर रहे किसान पर भालू ने किया हमला, घायल

बीएनएम। बगहा। रामनगर में वीटीआर के जंगली भालू के हमले से एक व्यक्ति गंभीर रूप घायल हुआ है। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को पीएचसी में भर्ती कराया गया जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर मो शाहिद ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर ईलाज के लिए जीएमसीएच रेफर कर दिया है। घायल की पहचान मंचगवा पंचायत के खैरहनी गांव निवासी स्वर्गीय धवल महतो के 45 वर्षीय पुत्र चंदू महतो के रूप में हुई है। जख्मी चंदू ने बताया कि खैरहनी खेत में गन्ना का फसल देखने के दौरान झाड़ी में छिपे जंगली भालू ने अचानक हमला कर दिया। डॉक्टर मो शाहिद ने बताया कि पीड़ित को भालू ने कान,सर व गर्दन में काटकर जख्मी किया है। जिनका ईलाज पीएचसी में किया गया है। बेहतर ईलाज के जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया गया है।

एनक्यूएएस प्रमाणीकरण को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति में बैठक आयोजित

- राष्ट्रीय मानक अनुरूप हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के सुदृढ़ीकरण हेतु गठित हुई टीम
- प्रथम चरण में 8 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को चिन्हित कर क़्वालिटी एंड सर्विस बेहतर करने पर जोर

बीएनएम। बेतिया

एनक्यूएएस प्रमाणीकरण को लेकर जिला स्वास्थ्य समिति में मंगलवार शाम को जिले के गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मूर्तजा अंसारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें राष्ट्रीय मानक के अनुरूप हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के सुदृढ़ीकरण हेतु (पीएमयू) टीम गठित हुई। बैठक में डॉ मुर्तजा अंसारी ने बताया कि इस प्रयास से जहां जन-जन तक उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकेंगी, वहीं सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जनता का विश्वास दृढ़ होगा। मुर्तुजा अंसारी ने कहा की पश्चिमी चम्पारण जिले में 18 प्रखंड है जहां हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को बेहतर करने का प्रयास किया जाना है। उन्होंने बताया की प्रथम चरण में प्रखण्ड बैरिया, चनपटिया, गौनाहा, मैनाटांड, नरकटियागंज, सिकटा, योगापट्टी और लौड़िया के विभिन्न एचडब्लूसी को चिन्हित कर वहाँ क़्वालिटी एंड सर्विस बेहतर करने पर जोर दिया जाएगा ताकि राष्ट्रीय मानक अनुरूप हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर कार्यरत हो। एनसीडीओ ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को एक्शन प्लान तैयार करने के लिए आवश्यक

दिशा-निर्देश जारी किया। उन्होंने बताया की मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग को तीन स्तर पर प्रमाणीकरण के लिए लक्ष्य का निर्धारण किया जाता है। जिसमें राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्वास) प्रमाणीकरण योजना की शुरुआत की गई है।

क़्वालिफाई प्रमाण पत्र के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्यः जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी विनय कुमार, जिला योजना समन्वयक अमित कुमार ने बताया की राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के क़्वालिफाई प्रमाण पत्र के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। इसके लिए सक्षम पोर्टल पर सभी मानकों से संबंधित डाटा को अपलोड करना होगा। एक्शन प्लान तैयार करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। एनक्यूएएस के क़्वालिफाई प्रमाण पत्र का मुख्य उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराना है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी को लेकर केंद्र व राज्य सरकार के अलावा स्थानीय स्तर पर लगातार प्रयास किया जा रहा हैं। मौके पर गैर संचारी रोग पदाधिकारी डॉ मूर्तजा अंसारी, जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी विनय कुमार, जिला योजना समन्वयक,जपाइगो, पिरामल स्वास्थ्य एवम पीएसआई के जिला प्रतिनिधि व अन्य लोग उपस्थित थें।

डीजे जब्त करने से नाराज असामाजिक तत्वों ने थाना में पहुँच किया हंगामा

- मुहर्रम पर्व के अवसर पर आयोजित जुलूस में बज रहा था डीजे
- पुलिस ने असामाजिक तत्वों को खदेड़ा

बीएनएम। केसरिया

मुहर्रम जुलूस में शामिल असामाजिक तत्वों ने थाना परिसर में घुस कर शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करते हुए हंगामा करने लगे। इस दौरान ड्रोन कैमरा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। साथ हीं थाना परिसर में लगी प्रशासन की गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की गई। हालांकि पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए इन असामाजिक तत्वों को थाना से खदेड़ कर भगाया। दरअसल, बुधवार को मुहर्रम के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न समितियों द्वारा जुलूस निकाला गया था। इस जुलूस में जमकर डीजे बज रहे थे। जबकि जुलूस में डीजे बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया था। इसी जुलूस में शामिल एक पिकअप वाहन पर लदी डीजे को पुलिस जब्त कर थाना लायी। जिससे जुलूस में शामिल लोग नाराज हो गए। जिसके बाद डीजे व पिकअप गाड़ी को छुड़ाने के लिए सैकड़ों की संख्या में असमाजिक तत्व थाना में जा पहुँचे। जहाँ डीजे छोड़ो का नारा लागते हुए थाना परिसर में लगी जब्त डीजे वाहन को छुड़ाने की कोशिश करने लगे। हालांकि पुलिस ने इस प्रयास को असफल कर दिया। इस क्रम में थाना परिसर में लगी प्राशासन की गाड़ी को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की गई। वहीं ड्रोन कैमरा को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस घटना से थाना परिसर में थोड़ी देर के लिए अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। माहौल बिगड़ते देख मौजूद प्रशासनिक व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मोर्चा संभालते हुए सभी असामाजिक तत्वों को खदेड़ कर भगाया। अब देखना है कि इस मामले में प्रशासन द्वारा आयोजन समिति, डीजे संचालक व आरोपी लोगों पर क्या कार्रवाई की जाती है!

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

नये कानून से बुज़ुर्ग मां-पिता की सुध लेने की सार्थक पहल

ललित गर्ग

देश में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना बढ़ती जा रही है, बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते, वे उनके जीवन-निर्वाह की जिम्मेदारी भी नहीं उठाना चाहते हैं, जिससे भारत की बुजुर्ग पीढ़ी का जीवन नरकमय बना हुआ है, वृद्धजनों की पल-पल की घुटन, तनाव, जीवन-निर्वाह करने की जटिलता एवं उपेक्षा को लेकर समय-समय पर जहां न्यायालयों ने अपनी चिन्ता जतायी है, वहीं सरकार ने कानून बनाकर बुजुर्गों को उन्नत एवं शांति देने के प्रयास किये हैं, लेकिन इसके बावजूद वृद्ध लोगों का जीवन कष्टमय एवं जटिल बना हुआ है। वृद्ध माता-पिता की देखभाल एवं भरण-पोषण की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश निश्चित रूप से सामाजिक एवं पारिवारिक ताने-बाने में वृद्धों को सम्मानजनक जीवन देने की सार्थक एवं सराहनीय कोशिश है। इस समय देश में करीब 10.5 करोड़ बुजुर्ग लोग हैं और 2050 तक इनकी संख्या 32.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी। भारत सहित 64 ऐसे देश होंगे जहाँ 30 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष से अधिक उम्र की होगी। एकल परिवार के दौर में बुजर्गों की देखभाल और भरण पोषण एक बड़ी समस्या के तौर पर उभर रही है ऐसे में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुजुर्गों की देखभाल के लिये मेंटिनेंस ऐंड वेलफेयर ऑफ पैरेंट्स ऐंड सीनियर सिटिजन ऐक्ट 2007 में संशोधन की पहल की है, नये बिल के मुताबिक अब घर के बुजुर्गों की जिम्मेदारी सिर्फ बेटे ही नहीं, बल्कि बहू-दामाद, गोद लिए गए बच्चे, सौतेले बेटे और बेटियों की भी होगी। बिल लाने का मकसद बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करना है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार

पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की भी तैयारी है। ऐसा सामाजिक संगठनों से विमर्श के बाद किया गया है। क्योंकि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं। भारतीय संस्कृति एवं सभी धार्मिक ग्रंथों में माता पिता को भगवान का रूप माना गया है और उनकी निःस्वार्थ सेवा करने की बात कही गयी है, लेकिन इसके बावजूद कई लोग अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करना तो दूर उल्टा उन्हें परेशान करते रहते हैं। इसलिये विभिन्न राज्यों की सरकारें बुजुर्ग आत्म-सम्मान के लिये नये कानून बना रही है। उत्तरप्रदेश में योगी सरकार अब बुजुर्ग मां-बाप की संपत्ति हड़प कर उन्हें बेदखल करने वाले बच्चों के खिलाफ सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत माता-पिता की संपत्ति हड़प कर उन्हें घर से बाहर निकलने वाले बेटे-बेटियों की खैर नहीं होगी। कुछ दूसरी तरह से असम सरकार ने वृद्धों की उपेक्षा पर विराम लगाने की दृष्टि से ही राज्य कर्मचारियों के लिए नवंबर में दो विशेष अवकाश शुरू किए हैं, ताकि वे अपने माता-पिता या सास-ससुर के साथ समय बिता सकें। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी घोषणा में परिवार के महत्व पर जोर दिया। 6 और 8 नवंबर को मिलने वाली ये विशेष छुट्टियां कर्मचारियों को उनके बुजुर्ग माता-पिता या सास-ससुर से जुड़ने के लिए हैं। इसका उद्देश्य परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के प्रति सम्मान और देखभाल दिखाना है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी घोषणा में परिवार के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि 'माता-पिता का आशीर्वाद हमारे जीवन के लिए आवश्यक है। एक आदर्श नागरिक के रूप में, अपने माता-पिता की भलाई सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है।' असम सरकार ने पूर्व में राज्य विधानसभा ने असम कर्मचारी माता-पिता जिम्मेदारी एवं जवाबदेही तथा निगरानी नियम विधेयक, 2017 या प्रणाम विधेयक भी पारित कर चुकी है। इसका मकसद यह सुनिश्चत करना है कि राज्य सरकार के कर्मचारी अपने वृद्ध हो रहे माता-पिता या शारीरिक रूप से अशक्त भाई-बहन की देखभाल करें नहीं तो उनके वेतन से पैसे काट लिए जाएंगे। पूरे देशभर के लोग इस कानून को असम सरकार का एक अच्छा कदम बताया। नियमों के तहत अगर कोई व्यक्ति (सरकारी कर्मचारी) उसपर निर्भर माता-पिता की देखभाल नहीं करता तो उसके कुल वेतन का 10 प्रतिशत हिस्सा काट लिया जाएगा और वह राशि माता-पिता के खाते में डाल दी जाएगी। दिव्यांग (शारीरिक रूप से अशक्त) भाई-बहन होने की स्थिति में वेतन से 15 प्रतिशत तक हिस्सा काट लिया जाएगा। अब केन्द्र सरकार द्वारा 2007 के कानून में बदलाव लाकर, नये विधेयक में इससे जुड़े कानून की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने कानून में बदलाव की पहल वर्ष 2019 में कर दी थी। इसी साल लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया गया था। इसके व्यापक पहलुओं की पड़ताल के लिये विधेयक को बाद में संसदीय समिति के पास भेज गया था। संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने एक बार फिर एक विधेयक को संसद में पेश किया था। लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। कालांतर 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण विधेयक निष्प्रभावी हो गया था। जिसके बाद अब सरकार नये सिरे से इस विधेयक को संसद में लाने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में कई नये प्रावधानों को जोड़ा गया है। विधेयक में प्रत्येक जिले में बुजुर्गों की गणना, मेडिकल सुविधाओं से लैस वृद्ध आश्रम व जिला स्तर पर एक सेल गठित करने जैसे प्रावधान हैं। संतान द्वारा बुजुर्गों की आवश्यकताओं को पूरा न करना गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जीने जैसे मानवाधिकारों का हनन है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने की दृष्टि से नया कानून प्रभावी कदम है, इससे बच्चों की अपने माता-पिता की उपेक्षा पर विराम लग सकेगा। सभी के लिये बुजुर्ग पीढ़ी के लिए सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी ही चाहिए। हम एक ऐसी दुनिया बनाएं जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सके। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है, यह आदर्श-शासन व्यवस्था के लिये भी शर्म का विषय है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये नये कानून बनाने के साथ उसे सख्ती से लागू करने की भी अपेक्षा है।

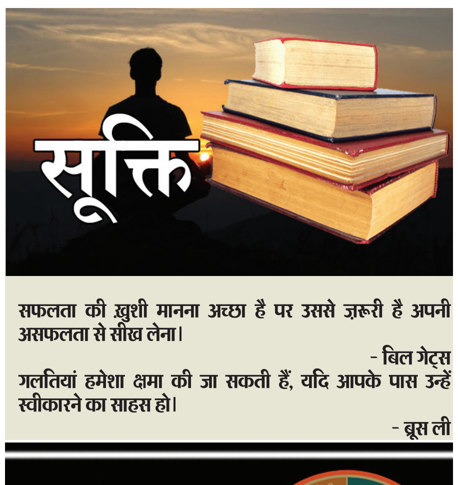

सफलता की ख़ुशी मानना अच्छा है पर उससे ज़रूरी है अपनी असफलता से सीख लेना।

- बिल गेट्स

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं, यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

- ब्रूस ली

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, अषाढ़ शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि द्वादशी, गुरुवासरे, ज्येष्ठा नक्षत्रे, शुक्ल योगे, वालव करणे, धनु की चंद्रमा, एकादशी की पारणा प्रदोष व्रत चतुर मास प्रारंभ, श्री वापन पूजन पर्व तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभीमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, अधिकारी, कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, कैशियर तथा लेखापाल, एमबीए-एमसीए करने वाला, धनी-मानी होगा।

मेष राशि - कार्य बाधा, स्वाभाव में उद्विग्नता तथा दुःख अवश्य ही बनेगा, कार्य पर ध्यान दें।

वृष राशि - आरोप से बचें, कार्यगति मंद रहेगी, क्लेश व अशांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन राशि - योजनायें पूर्ण होंगी, धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष अवश्य होगा।

कर्क राशि - मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्यगति में सुधार होगा, चिन्तायें कम होंगी।

सिंह राशि - सामर्थ और धन अस्त-व्यस्त हो सकता है, सतर्कता से कार्य अवश्य निपटायें।

कन्या राशि - मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्यगति में सुधार होगा, चिन्ता कम होगी।

तुला राशि - मान-प्रतिष्ठा के साधन बनेंगे, स्त्री से सुख-शांति अवश्य बनेगी।

वृश्चिक राशि - अग्नि-चोटादि का भय, व्यर्थ भ्रमण एवं धन का व्यय होगा, रुके कार्य अवश्य बनेंगे।

धनु राशि - मानसिक क्लेश व अशांति, मानसिक विभ्रम तथा भय बना ही रहेगा।

मकर राशि - विवाद ग्रस्त होने से बचें, तनाव, क्लेश व अशांति का वातावरण रहेगा।

कुंभ राशि - धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा।

मीन राशि - भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, समय उल्लास से बीतेगा, मनोवृत्ति उत्तम होगी।परेशानी बढ़ेगी, ध्यान रखें।

बजट का हलुवा और हलुए का बजट

राकेश अचल

भारत अनोखा देश है। यहां सब कुछ अनोखा होता है ,जो दुनिया के शायद तमाम देशों में न होता हो। भारत में सरकार बजट पेश करने से पहले एक समारोह करती है जिसे अंग्रेजी में हलुवा सेरेमनी कहते हैं। इस हलुवा समारोह का लिखित इतिहास मुहे तो खोजने पर नहीं मिला,लेकिन जाहिर है कि इसके पीछे भी कांग्रेस ही रही होगी ,क्योंकि आज का भारत तो 2014 के बाद का भारत है। आज के भारत में स्टेशनों,शहरों और कानूनों के नाम बदले गए लेकिन गनीमत है कि इस हलुवा सेरेमनी को अभी तक हाथ नहीं लगाया गया है। भारत में हलुवा और बजट आम आदमी के लिए ही बनाया जाता है। हलुवा सबसे सस्ता और सुलभ मिष्ठान भी है। गांवों से लेकर शहरों तक लोकप्रिय है। अमीर-गरीब सभी इस हलुए को पसंद करते हैं। शायद अंग्रेज भी करते हों। हलुवे की लोकप्रियता कालांतर में इतनी बढ़ी कि इसे मुहावरे का सम्मान मिल गया। किसी भी काम में व्यापक पैमाने पर भ्र्ष्टाचार या गोलमाल करने को भी हलुवा करना ही कहा जाता है। हलुवा बनाना और हलुवा करना एक ख़ास कला है ,इस्सके कलाकार ज्यादातर सियासत में या नौकरशाही में मिलते हैं। जहाँ ईमानदारी से हलुवा बनता है वो जगह केवल गुरुद्वारा है ,लेकिन गुरुद्वारों में बनने वाले हलुवे को हलुवा नहीं कड़ा-प्रसाद कहा जाता है। हलुवा जब प्रसाद बन जाता है तो आत्मा को सुकून देता है ,लेकिन जब हलुवा बजट बनता है तो हमेशा मीठा नहीं लगता। वैसे आपको बता दूँ कि हलुआ एक प्रकार का मिष्टान्न है जिसकी उत्पत्ति फ़ारस से हुई है और व्यापक रूप से पूरे मध्य पूर्व में फैली हुई है।। हलुवा साधारणतः आटे, सूजी, गहि और शर्करा से बनता है। बाद में आप इसमें बारीक पिसे हुए बीज या बादाम भी मिला सकते हैं आजकल तो हर चीज का हलुवा बननी लगा है जो बजट हलुवे से सर्वथा भिन्न होता है। हलुवा अब हैसियत से बाबस्ता हो गया है। जिसकी जैसी हैसियत उसका वैसा हलुवा। मठ का अलग,मंदिर का अलग और कर्तव्यपथ का लग किस्म का हलुवा होता है। मुंबई वालों का हलुवा तो सबसे अलग होता ही है। भाई अनंत की शादी में किस तरह का हलुवा बना हमें पता नहीं। इस साल के बजट का हलुवा समारोह नार्थ ब्लाक में सम्पन्न हो गया । आम बजट के हलुवे को किसने बनाया मुझे नहीं पता, किन्तु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सबसे पहले ये बजट हलुवा अपने मंत्रालय के अधिकारीयों और कर्मचारियों में तकसीम किया। इसी नार्थ ब्लाक में बजट छपने वाली छपाई मशीन लगी है । ताकि बजट लीक न हो। बजट लीक हो या न हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता । फर्क इस बात से पड़ता है कि बजट में हलुवे की जो मिठास है वो आम आदमी तक भी पहुँच पायेगी या नहीं ? देश में कांग्रेस ने दशकों तक बजट का हलुवा किया। अब एक दशक से भाजपा ये काम कर रही है। इस साल के बजट में तो भाजपा के साथ टीडीपी और जेडीयू को भी हलुवा करने का सौभाग्य मिला है। कोई भी सरकार हो बजट में हलुवा करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की बजट में हलुवा करती ही है। ये बात और है कि अनेक राज्यों में हलुवा सेरेमनी नहीं होती। निर्मला जी मुझसे चार महीने छोटी हैं लेकिन मुझसे ज्यादा पढ़ी लिखी है। निर्मला जी के पास हलुवा बनाने की कोई उपाधि नहीं है किन्तु उन्होंने भाजपा सरकार के लिए सबसे ज्यादा बार बजट हलुवा तैयार किया। वे राजनीति में पिछले दरवाजे से [राज्य सभा] आयीं थीं लेकिन वे पिछले छह -सात मर्तबा बजट हलुवा बनाने का सौभाग्य हासिल कर चुकी हैं। वे भाजपा की सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली वित्त मंत्री हैं। उनके हलुवा बनाने पर किसी को संदेह नहीं हैसिवाय उनके अपने पति को । भाजपा सरकार ने बीच में उन्हें हलुवा बनाने की जिम्मेदारी से मुक्त कर देश कोई रक्षा का और बाद में कारपोरेट का काम भी सौंपा लेकिन जब दूसरे वित्त मंत्री ढंग से बजट हलुवा नहीं बना पाए तो उन्हें वापस वित्त मंत्री बनाकर बजट हलुवा बनाने की जिम्मेदारी दे दी गयी। देश में किसी भी दल की सरकार हो लेकिन आम जनता को उसके बजट हलुवे से तमाम उम्मीदें बनी रहतीं है। इस बार के बजट से देश के सभी वर्गों के लोगों को काफी उम्मीदें हैं। आगामी बजट को लेकर आम लोगों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें सरकार की तरफ से थोड़ी राहत दी जाएगी। चूंकि यह बजट आम चुनावों के बाद का पहला बजट है ऐसे में सरकार के लिए भी यह बजट काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।

भारत में प्रतिवर्ष सृजित हो रहे हैं रोजगार के 2 करोड़ नए अवसर

प्रहलाद सबनानी

आजकल विदेशी वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान भारत के आर्थिक मामलों में अक्सर अपनी राय देने से चूकते नहीं हैं। अभी हाल ही में सिटीग्रुप इंडिया ने भारत की अपने बढ़ते कार्यबल के लिए पर्याप्त मात्रा में नौकरियां सृजित करने की क्षमता के मामले में चिंता जताई थी और एक प्रतिवेदन में कहा था कि भारत को आगामी दशक में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ नौकरियां सृजित करने की आवश्यकता है, जबकि वह प्रतिवर्ष केवल 80-90 लाख नौकरियां ही सृजित करने की राह पर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। यह विदेशी वित्तीय एवं आर्थिक संस्थान अपनी आधी अधूरी जानकारी के आधार पर भारतीय अर्थतंत्र के बारे अपनी राय जारी करते दिखाई देते हैं क्योंकि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी एक प्रतिवेदन जारी किया गया है जिसके के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में रोजगार के नए अवसर सृजित होने के मामले में 6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है और इस दौरान लगभग 4.7 करोड़ रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और देश में कार्य करने वाले नागरिकों की संख्या अब 64.33 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है, जबकि पिछले वर्ष यह वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत की रही थी। अब कहां सिटीग्रुप इंडिया की भारत में केवल 80-90 लाख नौकरियों के अवसर सृजित होने की राह पर की बात की है और कहां भारतीय रिजर्व बैंक की भारत में 4.7 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होने की बात है, दोनों संस्थानों के आंकलन में भारी अंतर दिखाई देता है। सिटीग्रुप इंडिया के भारत में रोजगार सृजित होने के संदर्भ में जारी उक्त प्रतिवेदन के जवाब में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा भी पिरीआडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) एवं भारतीय रिजर्व बैंक के KLEMS डाटाबेस के आंकड़ों का प्रयोग करते हुए बताया गया है कि भारत में वर्ष 2017-18 से 2021-22 के बीच 8 करोड़ रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं, जो कि वर्ष 2020-21 में कोविड-19 महामारी के कारण होने वाले वैश्विक आर्थिक व्यवधानों के बावजूद प्रतिवर्ष औसतन 2 करोड़ से अधिक नौकरियां बनती है। इस जानकारी के उपयुक्त होने को PLFS डाटा से भी बल मिलता है जिसके अनुसार भारत में पिछले पांच वर्षों में रोजगार के अवसरों की संख्या, श्रमबल में नए प्रवेशकों की संख्या से अधिक रही है, जिससे देश में बेरोजगारी दर में लगातार कमी आ रही है। इन आंकड़ों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18

में 6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.2 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में 466,59,221 रोजगार के अवसर निर्मित हुए एवं वित्त वर्ष 2023-24 में देश में कुल रोजगार बढ़कर 64.33 करोड़ के स्तर को पार कर गया जो वर्ष 2022-23 में 59.66 करोड़ के स्तर पर था एवं वर्ष 2019-20 में 53.44 करोड़ के स्तर पर था। उक्त आंकड़ों की सत्यता एवं विश्वसनीयता को और भी अधिक बल मिलता है जब इस संदर्भ में विभिन्न अनुपातों पर नजर डालते हैं। इससे ध्यान में आता है कि भारत में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (Worker Population Ratio) वर्ष 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 56 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार भारत में श्रमिक सहभागिता दर (Labour Force Participation Rate) भी वर्ष 2017-18 के 49.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 57.9 प्रतिशत हो गई है। जिसके चलते देश में बेरोजगारी की दर (Unemployment Rate) भी वर्ष 2017-18 में 6 प्रतिशत से गिरकर वर्ष 2022-23 में 3.2 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। कृषि, आखेट, वानिकी, मछली पालन के क्षेत्र में वर्ष 2022-23 में 25.3 करोड़ व्यक्ति रोजगार प्राप्त कर रहे हैं, जबकि वर्ष 2021-22 में 24.82 करोड़ व्यक्ति इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर रहे थे। इसी प्रकार वर्ष 2022-23 में निर्माण, व्यापार, यातायात एवं भंडारण के क्षेत्र मुख्य रोजगार प्रदाता क्षेत्रों में गिने जा रहे थे। ASUSE के सर्वे में भी भारत में 56.8 करोड़ नागरिकों को रोजगार प्राप्तकर्ता बताया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार वर्ष 2004 से वर्ष 2014 के दशक के बीच में केवल 2.9 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए जा सके थे जबकि वर्ष 2014 से वर्ष 2023 के दशक के बीच 12.5 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्रों में वर्ष 2004-2014 के दशक में 6.6 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए गए थे जो वर्ष 2014 से 2023 के दशक में बढ़कर 8.9 करोड़ हो गए हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र में भी कुल 20 करोड़ रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में कृषि के क्षेत्र में महिलाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो रहे हैं और यह संख्या 60 से 70 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक पहुंच रही है, क्योंकि पुरुष वर्ग अब रोजगार के लिए शहरी क्षेत्रों की ओर आकर्षित हो रहा है जहां उन्हें विनिर्माण एवं सेवा जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। दूसरे, कृषि के क्षेत्र में हो रही लगभग 4 प्रतिशत प्रतिवर्ष की औसत विकास दर के कारण भी कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो रहे हैं। भारत के लिए एक अच्छी खबर यह भी है कि केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्रों में लिए गए कई महत्वपूर्ण निर्णयों के चलते अब देश में धीरे धीरे अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था का आकार कम होकर, औपचारिक अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ रहा है जिसके चलते अब भारत में औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं। EPFO द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1.3 करोड़ कामगारों ने EPFO की सदस्यता ग्रहण की है जबकि वित्तीय वर्ष 2018-19 में केवल 61.12 लाख कामगारों ने ही EPFO की सदस्यता ग्रहण की थी। पिछले लगभग साढ़े छह वर्षों में, सितंबर 2017 से मार्च 2024 के बीच, 6.2 करोड़ कामगारों ने EPFO की सदस्यता ग्रहण की है। EPFO के आंकड़ों में लगातार होने वाली वृद्धि से आश्य यह है कि देश में कम आय वाले रोजगार की तुलना में अधिक आय वाले रोजगार अब तेजी से बढ़ रहे हैं और यह अब अधिकतम औपचारिक क्षेत्र में ही सृजित हो रहे हैं। अनऔपचारिक क्षेत्र के कम आय के रोजगार ही अधिक संख्या में सृजित होते हैं। ASUSE सर्वे के अनुसार अब देश की अर्थव्यवस्था में औपचारिक श्रमिकों की संख्या 55 प्रतिशत तक पहुंच गई है जबकि PLFS सर्वे के अनुसार यह 61 प्रतिशत पर पहुंच गई है। केंद्र सरकार द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में लगातार किए जा रहे प्रयासों एवं निजी एवं सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करने के लिए दिए जाने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों का असर भी अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। अब तो कई अन्य देश भी भारत से डाक्टरों, इंजीनियरों, आदि की मांग करने लगे हैं। जापान ने 2 लाख भारतीय इंजीनियरों की मांग की है तो इजराईल एवं ताईवान ने भी एक-एक लाख भारतीय इंजीनियरों की मांग की हैं। आस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी आदि विकसित देशों में तो पहिले से ही भारतीय डॉक्टर, इंजीनियर एवं एमबीए के क्षेत्र में कौशल हासिल भारतीयों की भारी मांग है। अब तो अरब देश भी भारतीय डॉक्टर, इंजीनियर एवं एमबीए के क्षेत्र में पारंगत भारतीयों पर अपनी नजर गढ़ाए हुए हैं।कई निजी संस्थान दरअसल भारत में रोजगार से सम्बंधित आकड़ें प्रस्तुत करने में प्रामाणिक एवं विश्वसनीय सूत्रों का उपयोग नहीं करते हैं एवं अपने निजी हित साधने के उद्देश्य से उपलब्ध आंकड़ों से अपना निजी निष्कर्ष निकालकर जनता के सामने प्रस्तुत करते हैं, जो कई बार वस्तुस्थिति से भिन्न निष्कर्ष देते हुए दिखाई देता हैं। जबकि कुछ विश्वसनीय सूत्र जहां प्रामाणिक आंकड़े उपलब्ध हैं, में शामिल हैं, भारतीय रिजर्व बैंक, EPFO एवं PLFS आदि, इन संस्थानों द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार भारत में पिछले पांच वर्षों से बेरोजगारी की दर लगातार कम हो रही है। इसका आश्य यह भी है कि देश में प्रतिवर्ष रोजगार की मांग से रोजगार के अधिक अवसर सृजित हो रहे हैं, इसी के चलते ही तो बेरोजगारी की दर में कमी आ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत में ही उपलब्ध डाटा/जानकारी का उपयोग करके वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए देश में उत्पादकता का एक अनुमान लगाने का प्रयास किया गया है और जो 27 उद्योगों में उत्पादकता एवं रोजगार के आकलन पर आधारित है।

शब्द पहेली - 8192

1	2		3	■	4		5	6
7		■	8			■	9	
	■	■		■	10	11	■	
12		13	■	14				
■	■		■		■		■	■
15			16		■	17		18
	■	19		■	20	■	■	
21	22	■	23			■	24	
25				■	26			

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -8191 का हल

■	त	ल	वा	र	■	वि	■	■
■	क	■	द्य	■	अ	रा	ज	क
क	रा	र	■	क	प	ट	■	हा
■	र	ज	त	■	ना	■	आं	सु
अ	■	क	मी	ना	प	न	■	नी
चा	बी	■	ज	■	न	ज	ला	■
न	■	स	वा	ल	■	र	ज	त
क	र	ब	ला	■	आ	■	वा	■
■	■	ल	■	अ	स	बा	ब	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7130

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7129 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

हेल्दी स्किन चाहते हैं खाने की इन चीजों से करें परहेज

कौन नहीं चाहता है कि उसका स्किन हेल्दी और चमकदार हो? हां, हम सभी स्किन को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं लेकिन इसके लिए हमें उचित भोजन करने की आवश्यकता है। हमारा स्किन हमारे शरीर का सबसे सेंसेटिव पार्ट है। अगर हम कुछ वैसा खाते है जो हमारे शरीर के लिए फिट नहीं है तो इसका असर तुरंत हमारे स्किन पर दिखाई देने लगता है। हेल्दी स्किन के लिए गुड डाइट और उचित भोजन की आदत बहुत महत्वपूर्ण है। पुअर डाइट से ड्राय स्किन और मुंहासा हो सकता है। नीचे कुछ फूड आइटम्स दिये गये हैं जो स्किन के लिए हानिकारक है–

कैंडी

अगर आप अपने स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं तो ज्यादा कैंडी नहीं खाएं। क्योंकि इसमें सुगर ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। सुगर ज्यादा खाने से हमारा स्किन डल और झुर्रीदार हो सकता है।

साल्ट

अगर आप हेल्दी स्किन चाहते हैं तो ज्यादा नमक और नमकीन फूट आइटम खाना बंद करें। क्योंकि यह हानिकारक है। इससे शरीर में तरल पदार्थ की मात्रा बढ़ जाती है और बॉडी में स्वेलिंग होने का खतरा रहता है और सूजा हुआ दिखने लगता है। यह स्किन की बनावट को खराब कर देता है।

कैफीन

अगर आप हेल्दी स्किन चाहते हैं को कॉफी, चाय और कोला इत्यादि का सेवन कम करें क्योंकि इसमें कैफीन पाया जाता है। कैफीन शरीर में कॉर्टिसॉल का प्रोडक्शन करता है और इस प्रकार यह स्किन को पतला करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बढ़ता है। साथ ही कैफीन स्किन में पाये जाने वाले पानी को कम कर देता है जिससे झुर्री होने की संभानवा बढ़ जाती है।

प्रोसेस्ड फूड

प्रोसेस्ड फूड को नजरंदाज करना चाहिए क्योंकि इसमें अध्यधिक मात्रा में नमक और सोडियम पाया जाता है जो हमारे स्किन के लिए अच्छा नहीं है। प्रोसेस्ड फूड में पानी कम मात्रा में पाया जाता है।

दूध

हम सभी जानते है कि दूध हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। लेकिन यह हमारे स्किन के लिए लाभदायक नहीं होता है। अत्यधिक दूध पीने से मुंहासा हो सकता है। क्योंकि दूध में ग्रोथ हार्मोस और इन्फ्लैमेटरी पदार्थ पाया जाता है। जो स्किन के छिद्र को बंद कर देता है।

शेल्फिश

भोजन में झींगा, केकड़ा, झींगा मछली का ज्यादा सेवन ना करें क्योंकि इनमें अधिक मात्रा में आयोडीन पाया जाता है। भोजन में इनके ज्यादा इस्तेमाल से मुंहासा हो सकता है।

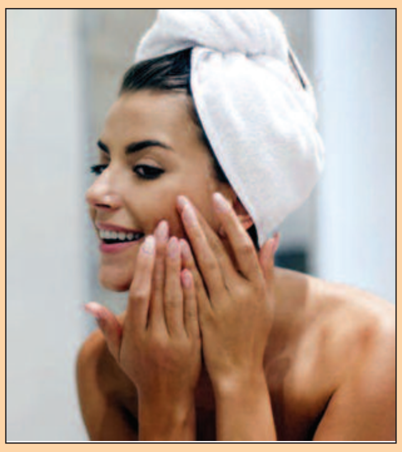

मुहांसों से मुक्ति दिलाए ये 5 घरेलू उपाय

अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो घरेलू उपाय इसके लिए बेहद कारगर होते हैं। पेश है पांच घरेलू उपाय जिन्हें अपनाकर आप मुहांसों से छुटकारा पा सकते हैं।

चंदन : चंदन मुहांसों के लिए रामबाण की तरह काम करता है। चंदन मुहांसो को शीतलता प्रदान करता है जिससे जल्द ठीक होने में मदद मिलती है। इसलिए मुहांसों को ठीक करने के लिए चंदन का उपाय बेहतरीन उपायों में से एक है।

संतरे का छिलका : संतरे का छिलका मुहासों को ठीक करने के लिए बेहतर माना जाता है। इसमें विटामिन सी होता है जिससे त्वचा के कई रोग मुहांसों आदि को ठीक करने में मदद मिलती है। इससे मुहासों से मुक्ति के अलावा त्वचा की चमक भी बनी रहती है।

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर भी आप मुहासों से छुटकारा पा सकते है। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से मुहांसे जल्द ठीक होते है। इससे त्वचा के रोमछिद्र भी खुल जाते है।

नींबू : अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू बेहद कारगर है। नींबू के रस में विटामिन सी होता है जिससे मुहांसों से जल्द मुक्ति मिलती है।

एलोवेरा : एलोवेरा त्वचा के लिए बेहतर माना जाता है और इससे भी मुहांसों को ठीक करने में मदद मिलती है।

रिफाइंड से बेहतर है पारंपरिक भारतीय खाद्य तेल, जानिये क्यों

विशेषज्ञों ने कहा है कि घी, नारियल तेल और सरसों तेल जैसे खाना पकाने के पारंपरिक भारतीय तेल आधुनिक समय के 'रिफाइंड' या जैतून के तेल से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक हैं। गंगा राम अस्पताल के हृदय रोग विभाग के डॉ एससी मनचंदा ने बताया, 'खाना पकाने का तेल भारतीय आहार का एक अभिन्न हिस्सा है।'

लोगों को आमतौर पर बाजार में उपलब्ध कई तरह के खाद्य तेलों से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि खाना पकाने की भारतीय विधियों (जिनमें तलना शामिल है) में घी, नारियल तेल और सरसों तेल जैसे हमारे परंपरागत तेल स्वास्थ्य लाभों के मामले में 'रिफाइंड' और अन्य तेलों से बेहतर हैं।

यह अवलोकन इंडियन हर्ट जर्नल में एक संपादकीय में किया गया है। जन स्वास्थ्य पोषण कंसलटेंट संतोष जैन पास्सी ने बताया कि रिफाइंड तेलों से दूर रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि रिफाइनिंग की प्रक्रिया में तेल को अत्यधिक तापमान पर गर्म किया जाता है जिससे उनका क्षरण होता है और जहरीले पदार्थ पैदा होते हैं।

उन्होंने बताया, 'रिफाइंड तेल तेजी से खराब हो जाते हैं और इसलिए उन्हें तलने से बचना चाहिए। इसके उलट संतृप्त वसाओं (जैसे घी, नारियल तेल) को भारतीय व्यंजन पकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि वे तलने के दौरान तुलनात्मक रूप से स्थिर रहते हैं।'

अगर आप माइग्रेन से हैं परेशान तो 'विटामिन' को ना करें नज़रअंदाज़!

माइग्रेन एक ऐसी समस्या है जिससे जूझने वाला ही इसकी तकलीफ को बता सकता है, अगर आपमें माइग्रेन के लक्षण दिखे, तो विटामिन की जांच करा लें, क्योंकि नए शोध के मुताबिक कुछ विटामिन की कमी से भी बच्चों, किशोरों व वयस्कों में माइग्रेन रोग हो सकता है। शोधकर्ताओं के निष्कर्ष में इस बात का खुलासा हुआ है कि माइग्रेन से पीड़ित अधिकांश किशोरों व वयस्कों में विटामिन डी, राइबोफ्लेबिन तथा कोईंजाम क्यू10 की कमी पाई गई। लड़कों की तुलना में लड़कियों में कोइंजाइम क्यू10 की कमी की संभावना होती हैं, जबकि पुरुषों में विटामिन डी की कमी की संभावना अधिक होती है।

अमेरिका स्थित सिनसिनाती चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर में मुख्य शोधकर्ता सुजेन हगलर ने कहा, 'इस बात पर अभी और अध्ययन करने की जरूरत है कि माइग्रेन की अवस्था में विटामिन के सेवन से आराम पहुंचता है या नहीं।'

इससे पहले के अध्ययन में यह साबित हो चुका है कि शरीर में कुछ विटामिनों की कमी से माइग्रेन रोग हो सकता है। निष्कर्ष अमेरिका के सैन डिएगो में हाल में अमेरिकन हेडेक सोसायटी के वैज्ञानिकों की सालाना 58वीं बैठक के दौरान प्रस्तुत किया गया।

बहुत तकलीफदेह होता है माइग्रेन

इसका शिकार होने पर सिर के आधे हिस्से में दर्द रहता है। जबकि आधा दर्द से मुक्त होता है। जिस हिस्से में दर्द होता है, उसकी भयावह चुभन भरी पीड़ा से आदमी ऐसा त्रस्त होता है कि सिर क्या बाकी शरीर का होना भी भूल जाता है।

माइग्रेन मूल रूप से तो न्यूरोलॉजिकल समस्या है। इसमें रह-रह कर सिर में एक तरफ बहुत ही चुभन भरा दर्द होता है। ये कुछ घंटों से लेकर तीन दिन तक बना रहता है। इसमें सिरदर्द के साथ-साथ गैस्टिक, जी मिचलाने, उल्टी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। पर्याप्त नींद न लेना, भूखे पेट रहना और पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना जैसे कुछ छोटे-छोटे कारणों से भी आपको माइग्रेन की शिकायत हो सकती है।

घर पर बनाइये ड्रिंक और दर्द दूर भगाइये

सामान्य तौर पर पोषक तत्वों की कमी, तनाव, एलर्जी और अल्कोहल का सेवन माइग्रेन पैदा करने में सहायक होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और डिहाइड्रेशन भी माइग्रेन के लिए सामान्य आधारभूत घटक हैं। सही मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन न करना माइग्रेन का कारण बन सकता है।

लेकिन आप परेशान न हों, माइग्रेन से जल्द राहत पाने के लिए यह ड्रिंक आपकी मदद करेगा और आप इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। जानिए ड्रिंक बनाने के लिए जरूरी सामग्री –

1. नींबू का रस
2. दो छोटे चम्मच समुद्री नमक
3. एक कप ठंडा पानी

यदि आपको सामान्य कारणों से माइग्रेन की समस्या हो रही है, तो आप पानी में नींबू का रस और समुद्री नमक मिलाकर पिएं। इससे आप दर्द से राहत महसूस कर सकते हैं। लेकिन अगर आपका दर्द कम नहीं हो रहा है, तो एक बाद डॉक्टर को जरूर दिखाएं, क्योंकि यह इलेक्ट्रोलाइट के असंतुलन के कारण भी हो सकता है।

धूप की कमी बढ़ा सकती है आपका माइग्रेन

यदि आप बार-बार हो रहे माइग्रेन के दर्द से परेशान हैं तो हो सकता है आपके इस दर्द की वजह आपकी धूप से दूरी हो। एक अध्ययन में सामने आया है कि माइग्रेन से जूझ रहे अधिकांश लोगों में विटामिन डी और विटामिन बी2 की कमी पाई गई है। सिनसिनाटी चिल्ड्रन हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर के रिसर्चर्स का कहना है कि हो सकता है कि इन विटामिनों की कमी ही माइग्रेन का दर्द बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो, लेकिन इसे प्रमाणित करने के लिए हमें और भी अध्ययन करने होंगे। जब हमारे शरीर की त्वचा सूरज की रोशनी के संपर्क में आती है तो विटामिन डी हमारे शरीर में ही बनता है। इस अध्ययन में माइग्रेन से जूझ रहे मरीजों के ब्लड टेस्ट के रिकॉर्ड की जांच कर विटामिन डी, रिबोफलेविन, सीओक्यू10 और फॉलाटे की जांच की गई। इनमें से ऐसे कई मरीज थे जिन्हें माइग्रेन रोकने के लिए प्रिवेंटिव मेडिसिन दी जा रही थी साथ ही उन्हें विटामिन के सप्लिमेंट्स भी दिए जा रहे थे। इस रिसर्च के बारे में प्रमुख रिसर्चर और हेडऐक मेडिसिन के फेलॉ डॉ सुजाने हागलेर का कहना है कि क्योंकि कुछ लोगों को माइग्रेन के साथ ही विटामिन भी दिया गया इसलिए यह तय नहीं किया जा सकता कि विटामिन की कमी माइग्रेन के दर्दमें बढ़ोतरी करती है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि लड़कों और पुरुषों में विटामिन डी की कमी ज्यादा पारई गई है। यह अध्ययन अमेरिकन हेडएक सोसायटी की 58वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया है।

अपने दिमाग को मजबूत बनाने के लिए खाएं ये सुपरफूड्स!

हरी फूलगोभी- मस्तिष्क के फंक्शन के लिए ब्राकली काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें कोलीन की ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। कोलीन मस्तिष्क में नए सेल्स बनाता है।

बादाम - हर किसी को रोजाना मुट्ठी भर बादाम, मूंगफली, अखरोट और काजू खाना चाहिए। इनमें विटामिन ई पाया जाता है जो मस्तिष्क के फंक्शन को बेहतर बनाता है।

अंडे- हम सभी को पाता है अंडा सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन यह मस्तिष्क के लिए भी काफी उपयोगी है। अंडे में कोलीन भी पाया जाता है जो शॉर्ट टर्म मेमोरी फंक्शन में काफी जरूरी है।

मछली- मस्तिष्क के विकास के लिए मछली का सेवन महत्वपूर्ण माना जाता है। मछली के वसा में ओमेगा 2 एसिड मिलता है जो मस्तिष्क के विकास और उसके फंक्शन में काफी मददगार साबित होता है।

डिमेंशिया के खतरे को कम करता है नियमित कसरत

नियमित रूप से कसरत करने के कई फायदे होते हैं। इससे शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने में मदद तो मिलती ही है। एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी यह योगदान करता है। नियमित रूप से कसरत करने से न केवल हमारा मस्तिष्क सक्रिय रहता है बल्कि डिमेंशिया जैसी भूलने वाली बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है।

चूहे पर किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया कि कसरत शरीर में एक महत्वपूर्ण प्रोटीन की उत्पादकता बढ़ा सकता है। यह प्रोटीन मस्तिष्क को सक्रिय करने के साथ ही (न्यूरो) तंत्रिका से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करता है।

अध्ययन में पाया गया कि चूहे के नियमित कसरत के दौरान कुछ रसायन स्वतः मस्तिष्क में जमा हुए और मस्तिष्क के लिए बीडीएनएफ (मिरेकल-ग्रो) का उत्पादन करने लगे। बीडीएनएफ याददाश्त बढ़ाने और तंत्रिका कोशिकाओं की वृद्धि में सहायक होता है। न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मोसेस चाओ के मुताबिक, 'हमारा मानना है कि स्तनधारियों में कसरत से बढ़ने वाले बीडीएनएफ के पीछे होने वाली जैविक प्रकिया को हमारा यह अध्ययन दर्शाता है।'

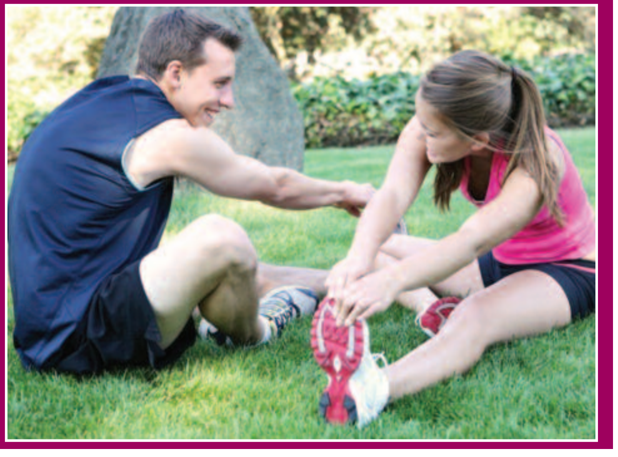

पेरिस ओलंपिक 2024 में 117 भारतीय एथलीट लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक खेलों में कुल 117 भारतीय एथलीट (सात रिजर्व सहित) हिस्सा लेंगे। इस दल में एथलेटिक्स से 29 सदस्य (11 महिलाएं और 18 पुरुष) शामिल हैं, इसके बाद शूटिंग (21) और हॉकी (19) हैं।

टेबल टेनिस में आठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जबकि बैडमिंटन (7) में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु सहित सात प्रतियोगी हिस्सा लेंगे।

कुश्ती (6), **तीरंदाजी** (6) और **मुक्केबाजी** (6) में छह-छह प्रतिनिधि होंगे। इसके बाद गोल्फ में 4, टेनिस में तीन, तैराकी और नौकायन में 2-2, और घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारोत्तोलन में एक-एक एथलीट होंगे।

सहायक कर्मियों में 140 व्यक्ति शामिल हैं, जिनमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, मनोवैज्ञानिक, मालिश करने वाले, शक्ति और स्थिति विशेषज्ञ और टीम अधिकारी शामिल हैं।

खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों की पूरी सूची इस प्रकार है- एथलेटिक्स (27 +2)

पुरुषः सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), सूरज

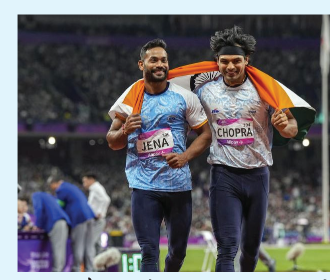

पंवार (मैराथन रेस वॉक मिक्स्ड रिले), अक्षदीप सिंह, विकास सिंह, परमजीत बिष्ट (पुरुष 20 किमी रेसवॉक), किशोर जेना, नीरज चोपड़ा (भाला फेंक), मुहम्मद अनस, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब, संतोष तमिलारासन, राजेश रमेश (4x400 मीटर रिले), अविनाश साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज़), तजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), अब्दुल्ला अबूबकर, प्रवील चित्रावेल (ट्रिपल जंप), जेसविन एल्ड्रिन (लंबी कूद)।

महिलाः अन्नू रानी (महिला भाला फेंक), पारुल चौधरी (3000 मीटर स्टीपलचेज़, 5000 मीटर), किरण पहल (महिला 400 मीटर, महिला 4x400 मीटर रिले) ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), अंकिता ध्यानी (5000 मीटर), प्रियंका गोस्वामी (20 किमी रेसवॉक, मैराथन रेस वॉक मिश्रित रिले), ज्योतिका श्री दांडी, सुभा वेंकटेशन, विथ्या रामराज, पूवम्मा एमआर (4x400 मीटर रिले)।

• एथलेटिक रिजर्व- प्राची, मिजो चाको कुरियन।

• तीरंदाजीः पुरुष रिकर्व- धीरज बोम्मदेवरा, तरुणदीप राय, प्रवीण जाधव।

• महिला रिकर्व- भजन कौर दीपिका कुमारी अंकिता भक्त।

बैडमिंटन-• पुरुष एकलः एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन।

• युगल- सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी।

• एकल महिला-पीवी सिंधु-

• युगल महिलाः अश्विनी पोनप्पा, तनीषा क्रैस्टो।

मुक्केबाजी-• पुरुषः निशांत देव (71 किग्रा) अमित पंघाल (51 किग्रा)।

• महिलाः निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) लवलीना बोर्गोहेन (75 किग्रा)

घुड़सवारी-• अनुष अग्रवाल (ड्रेसेज)

हॉकी- श्रीजेश परट्टू रवीन्द्रन, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मंदीप सिंह, गुरजंत सिंह। रिजर्व नीलकंठ शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक।

जूडो- तुलिका मान (महिला +78 किग्रा)।

रोइंग- बलराज पंवार (पुरुष सिंगल स्कल)

सेलिंग-• पुरुषः विष्णु सरवनन - पुरुष डिंगी

• महिलाः नेथरा कुमानन - महिला डिंगी

निशानेबाजी-• पुरुषः संदीप सिंह, अर्जुन बाबूता (10 मीटर एयर राइफल एम), ऐश्वर्य तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन एम), सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल एम), अनीश भानवाल, विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी एम) पृथ्वीराज टोंडैमन - पुरुष ट्रैप, अनंतजीत सिंह नरुका - पुरुष स्कीट, स्कीट मिश्रित टीम।

• महिलाः एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल डब्ल्यू), सिफ्त कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन डब्ल्यू), रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल डब्ल्यू), मनु भाकर - (10 मीटर एयर पिस्टल डब्ल्यू, 25 मीटर पिस्टल डब्ल्यू), ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल डब्ल्यू), राजेश्वरी कुमारी, श्रेयसी सिंगन - महिला ट्रैप, माहेश्वरी चौहान - महिला स्कीट, स्कीट मिश्रित टीम, रायजा ढिल्लन - महिला स्कीट।

तैराकी-• पुरुषः श्रीहरि नटराज (पुरुष 100 मीटर बैकस्ट्रोक)

• महिलाः धीनिधि देसिंघु - महिला 200 मीटर फ्रीस्टाइल

टेबल टेनिस-• पुरुषः शरथ कमल हरमीत देसाई मानव ठक्कर

• महिलाः मनिका बत्रा, श्रीजा अकुला, अर्चना कामथ।

• रिजर्व- साथियान जी, अयहिका मुखर्जी

टेनिस- रोहन बोपन्ना, एन श्रीराम बालाजी (पुरुष युगल), सुमित नागल (पुरुष एकल)

भारोत्तोलन- मीराबाई चानू - (महिला 49 किग्रा)

कुश्ती-• पुरुषः अमन सहरावत - पुरुष 57 किग्रा

• महिलाः विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशू मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा), रीतिका हुडा (76 किग्रा)।

गंभीर को भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया जाना सही कदम : ब्रेट ली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इस जिम्मेदारी के लिए सबसे बेहतर व्यक्ति हैं। ब्रेट ली के अनुसार अब भारतीय टीम का भविष्य अब सुरक्षित हाथों में है। गंभीर को हाल ही में टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। वह श्रीलंका दौरे से कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। गंभीर के पास अंतराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग का अनुभवी नहीं है पर वह साल 2022 और 2023 सीजन में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) और 2024 सीजन में केकेआर के मेंटर रहे थे। उनके मार्गदर्शन में केकेआर ने खिताब भी जीता है।

ली ने कहा कि जब भी गंभीर को अवसर मिला उन्होंने शानदार काम किया। केकेआर के साथ इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब ये साबित करता है। वह हमेशा अपने खेल में शीर्ष पर रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों को एकजुट करने और अपनी टीम को एकजुट करने का एक तरीका तलाशते हैं। वह एक ठोस संरचना बनाता है। वह एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं और उनकी आक्रामकता और विजयी रवैये से भारत को सहायता मिलेगी।

रोहित, विराट और बुमराह को छोड़कर अन्य सभी के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य : बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए खाली समय में घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी नहीं है। वहीं ने बोर्ड के नये नियम के अनुसार अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते तो राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पायेंगे। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए हर एक खिलाड़ी के लिए कम से कम एक घरेलू मुकाबला खेलना जरुरी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने गत वर्ष कहा था कि नये नियम के अनुसार सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। साथ ही कहा था कि आईपीएल के लिए घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा सकती है। साथ ही कहा कि जब खिलाड़ी अंतराष्ट्रीय सीरीज नहीं खेल रहे हों तो उन्हें अपनी घरेलू टीम की तरफ से मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहना होगा। पिछले साल श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही ये दोनो टीम से बाहर हैं। इन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला है।

वहीं रोहित, विराट और बुमराह को बीसीसीआई की तरफ से जारी सूची से अलग रखा गया है। इसके आलावा जितने भी टीम में जगह बना चुके या बाहर बैठे खिलाड़ी हैं, सबके लिए बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि कम से कम एक घरेलू मैच तो खेलना होगा।

पेरिस ओलंपिक में पदक का रंग बदलने उतरेंगे : ललित

बेंगलुरू। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम अपने पदक का रंग बदलने में सफल रहेगी। भारतीय टीम ने पिछले ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इस बार हालांकि भारतीय टीम को कठिन ग्रुप मिला है। इसमें उसके पूल चरण में ही ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों से मुकाबला करना है। ललित ने कहा ,''ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना सही नहीं है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। ऐसे में हम मैच के हिसाब से रणनीति बनायेंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।''

भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक मजबूती के लिए स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद नीदरलैंड में अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम को ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से जबकि 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड और एक अगस्त को बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करना है। इस खिलाड़ी ने कहा कि सभी उत्साहित है और टीम को पदक जीतने का पूरा भरोसा है।

हार्दिक से अलगाव के बीच ही बेटे अगसत्य के साथ एयरपोर्ट पर नजर आयी नताशा

मुम्बई। क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ अलगाव की खबरों के बीच ही उनकी पत्नी बेटे अगसत् का हाथ थामे एयरपोर्ट पर नजर आयीं हैं। हार्दिक और नताशा के बीच पिछले काफी समय से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था पर अब ये मतभेद खुलकर सामने आ गये हैं। ये भी कहा जा रहा है कि दोनों के बीच तलाक हो गया है। हार्दिक के भाई क्रुणाल पांड्या के एक पोस्ट के बाद दोनों के तलाक की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। वहीं हार्दिक ने अब तक इस मामले में कुछ नहीं कहा है। नताशा का बेटे अगसत्य के साथ मुंबई एयरपोर्ट कावीडियो तेजी से वायरल जमकर वायरल हो रहा है।

इसमें नताशा अपने बेटे और केयर टेकर के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि नताशा गाड़ी से उतरती हैं और फिर गाड़ी से दो लगेज निकालकर बेटे अगसत्य के साथ जा रही हैं। इस वीडियो को देखने के बाद प्रशंसक ये जानना चाह रहे हैं कि आखिर नताशा जा कहां रही हैं. वहीं कुछ का मानना है कि बेटे के साथ कहीं घूमने जा रही हैं। कुछ का मानना है कि वह अपने अभिभावकों के पास सर्बिया जा रही होंगी।

नताशा के हार्दिक के साथ रिश्ते जब से खराब हुए हैं। तभी से वह बेटे के साथ ही ज्यादा से ज्यादा समय बिता रही हैं। नताशा ने सोशल मीडिया पोस्ट में सूटकेस की तस्वीर पोस्ट की है। इसमें साथ ही लिख है। 'यह साल का वह समय है' साथ ही विमान और घर की इमोजी भी शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने आंसू से भरी एक इमोजी भी साझा की है। कुछ दिनों पहले नताशा ने एक पोस्ट किया था जिसमें वह कहती हैं, 'मेरी तरफ से आपको एक रिमाइंडर दोबारा. भगवान कभी आपकी लाइफ से परेशानियां दूर नहीं करते, वह बस आपके लिए रास्ता बना देते हैं। तभी तय हो गया था कि उनका रिश्ता टूट गया है। '

व्यापार

एप्पल ने 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ

इस तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को कर दिया परेशान

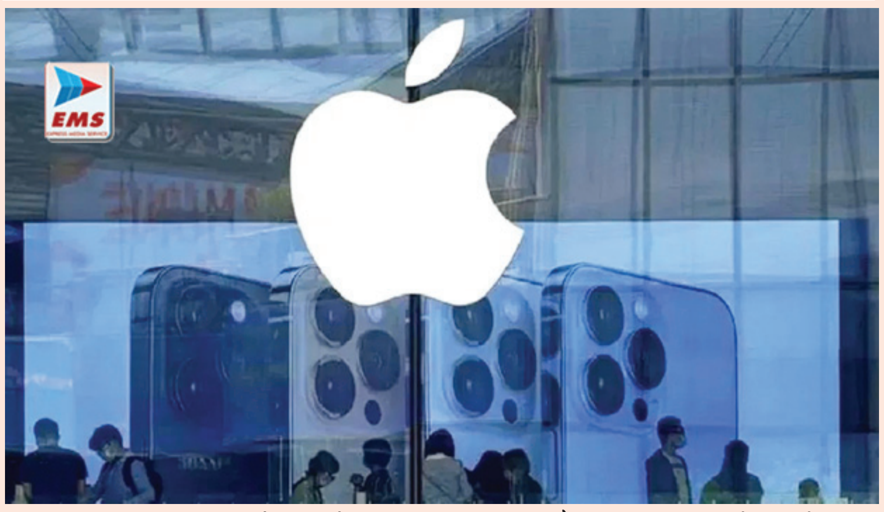

नई दिल्ली। टेक दिग्गज कंपनी एप्पल ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में लगभग 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ है, जो लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) है। भारत द्वारा उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के कारण घरेलू विनिर्माण में आई तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को परेशान कर दिया है। दोनों ही देश चीन और वियतनाम इस मामले में लड़खड़ा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में प्रीमियमीकरण की सोच के कारण आईफोन की बिक्री में तेजी आई है। न केवल बेहतरीन घरेलू बिक्री, क्यूपर्टिनो बेस्ड कंपनी ने निर्यात में भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। घरेलू विनिर्माण को मिल रहे शानदार समर्थन और मजबूत वितरण के कारण इस साल आईफोन शिपमेंट में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है।

काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसंधान निदेशक तरुण पाठक ने बताया कि प्रीमियमाइज़ेशन के शुरू होने के साथ ही एप्पल को एक बार फिर अपने उपकरणों और निवेश प्रस्तावों के माध्यम से इसका लाभ उठाने का सही समय मिल गया है। इसके अतिरिक्त, ब्रांड मजबूत हुआ है और कंपनी इसका भी आनंद ले रही है और देश में अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिससे इसे बढ़ने में मदद मिल रही है। भारत द्वारा पीएलआई योजना को बढ़ावा देने के कारण मोबाइल फोन निर्यात में वित्त वर्ष 2024 में काफी वृद्धि हुई। इसकी वजह से चीन और वियतनाम जैसे मोबाइल बनाने वाले दिग्गज देश भारत से पीछे रह गए। चीन से मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 बिलियन डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 बिलियन डॉलर हो गया।

इसी तरह, नवीनतम उद्योग आंकड़ों के अनुसार, वियतनाम में वित्त वर्ष 2023 में 31.9 बिलियन डॉलर से घटकर पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में 26.27 बिलियन डॉलर हो गया। उद्योग के अनुमान के अनुसार, मोबाइल फोन का उत्पादन 2014-15 में 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। जो लगभग 2,000 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। जानकारी के अनुसार भारत में प्रीमियम सेगमेंट के अधिकांश उपभोक्ताओं ने स्मार्टफोन खरीदने के लिए फाइनेंशियल स्कीम का चुनाव किया। भारत में एप्पल के नेतृत्व में देश से मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 11 बिलियन डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में लगभग 16 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

मुहर्रम पर बंद रहा शेयर बाजार

मुम्बई। शेयर बाजार बुधवार को मुहर्रम पर बंद रहा। इसी कारण आज कोई कारोबार नहीं हुआ। दोनों ही प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) बंद रहे। बीएसई के अनुसार इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, एसएलबी सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट और ब्याज दर डेरिवेटिव सेगमेंट में कोई कारोबार नहीं होगा पर वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही के परिणाम तय समय के अनुसार ही आयेंगे। मुहर्रम के बाद अब बाजार सीधे 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और पारसी नव वर्ष के अवसर पर बंद रहेगा। इसके बाद 7 सितंबर को गणेश चतुर्थी का अवकाश रहेगा। वहीं 2 को महात्मा गांधी जयंती पर भी अवकाश रहेगा। इसके बाद 12 को दशहरे पर बाजार बंद रहेगा। 1 नवंबर दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा। वहीं 15 नवंबर को गुरुनानक जयंती ओर 25 दिसंबर को क्रिसमस पर भी बाजार बंद रहेगा।

वनप्लस नोर्ड 4 फोन को लेकर जानकारी वायरल

नई दिल्ली । भारत में लॉन्च इवेंट से पहले वनप्लस नोर्ड 4 फोन को लेकर काफी जानकारियां सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। हालिया लीक से पहले एक 'एक्स' पोस्ट में इस फोन की कीमत का भी खुलासा किया था। इन लीक्स पर कपंनी ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एक्स अकाउंट 'वनप्लस क्लब' पर एक स्पेक्स शीट डाली गई है। यह वन प्लस नॉर्ड का आधिकारिक हैंडल नहीं है। लीक में दावा किया गया है कि वनप्लस नोर्ड 4 में 6.74-इंच यू8 प्लस ओलेड डिस्प्ले हो सकता है जिसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 2,150 निट्स की पीक ब्राइटनेस मिलेगी। यह क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 7 प्लस जेन 3 प्रोसेसर द्वारा संचालित हो सकता है, जिसमें एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.0 स्टोरेज हो सकता है। फोन एंड्रायड 14 पर चल सकता है। नोर्ड 4 में 50-मेगापिक्सल का मुख्य सोनी सेंसर कैमरा हो सकता है जिसमें ओआईएस सपोर्ट मिल सकता है। एक 8-मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड रियर कैमरा इसमें लगा हो सकता है और सेल्फी के लिए 16-मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा भी दिया जा सकता है। अन्य फीचर्स में इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर, डॉल्बी एटमॉस सपोर्ट के साथ स्टीरियो स्पीकर्स, 0809 एएसी लीनियर मोटर और आईआर ब्लास्टर शामिल हैं। नोर्ड 4 में 5,500 एमएएच की बैटरी हो सकती है जो 100 वॉट सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और एक अलर्ट स्लाइडर से लैस हो सकती है। फोन में 4 साल के एंड्रॉइड अपडेट्स और 6 साल के सिक्योरिटी पैचेस मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने अभी अपने इस लेटेस्ट फोन के बारे में बहुत ज्यादा जानकारियां सांझी नहीं की है, लेकिन एक लीक हुई स्पेक्स शीट में वनप्लस नॉर्ड 4 के एक-एक फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस की जानकारी दी गई है।

अशोक लिलैंड महाराष्ट्र सरकार को 2,104 वर्जिन पैसेंजर बसें करेगा सप्लाई

ASHOK LEYLAND

नई दिल्ली। बस बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी अशोक लिलैंड को महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन से 982 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। कंपनी को महाराष्ट्र सरकार को 2,104 वर्जिन पैसेंजर बसें सप्लाई करनी है। कंपनी का कहना है कि वह अगले महीने ही डिलीवरी शुरू कर देगी। इसके साथ ही महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के बेड़े में अशोक लिलैंड की बसों की संख्या बढ़ जाएगी। महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन देश की सबसे बड़ी सरकारी अंडरटेकिंग्स कंपनियों में से एक है। उसके पास 15,000 से ज्यादा बस है। अशोक लेलैंड दुनिया की टॉप पांच कंपनियों में शामिल है। अशोक लिलैंड का हेडक्वार्टर चेन्नई में है। कंपनी का कहना है कि महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन को सप्लाई की जाने वाली बसों में सीएमवीआर स्टैंडर्ड्स का पालन किया जाएगा। इनकी बॉडी एआईएस-153 कंप्लायंट होगी और इसमें आईजेन6 बीएस 6 ओबीडी-2 टेक्नोलॉजी के साथ 197 एचपी-सीरीज इंजन का इस्तेमाल किया जाएगा साथ ही इनमें रियल इंजन सस्पेंशन भी लगाया जाएगा। इन बसों को राजस्थान के अलवर और चेन्नई में अशोक लेलैंड के एक्सक्लूसिव बस बॉडी प्लांट्स में तैयार किया जाएगा। कंपनी के एमडी शेणु अग्रवाल ने कहा कि यह ऑर्डर दिखाता है कि अशोक लिलैंड आधुनिक सुविधाओं वाले प्रॉडक्ट्स के लिए कितनी समर्पित है। इस बीच मंगलवार को शुरुआती मार्केट में अशोक लेलैंड के शेयर सपाट ट्रेड कर रहे हैं। दोपहर बाद 12.30 बजे 0.02फीसदी की तेजी के साथ 228.20 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। इस रेट पर कंपनी का मार्केट कैप 66,979.91 करोड़ रुपए है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 245.60 रुपए और न्यूनतम स्तर 157.65 रुपए है।

96 घंटे बाद

दिव्यांका त्रिपाठी

और विवेक दहिया की भारत वापसी, इटली में लूटपाट का हुए थे शिकार

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया हाल ही में घूमने के लिए इटली गए थे. विवेक और दिव्यांका नई-नई जगह घूमने का बहुत शौक रखते हैं. दोनों अक्सर अलग-अलग जगह जाते रहते हैं और अपनी तस्वीरें फैन्स के साथ शेयर करते हैं. लेकिन इस बार के सफर पर उनके साथ एक घटना घट गई. उनका सारा सामान चोरी हो गया, जिसके बाद वो इटली में ही फंस गए थे. लेकिन अब 96 घंटे बाद उनकी घर वापसी हो गई है.दिव्यांका और विवेक ने इंस्टाग्राम पर अपने इमरजेंसी सर्टिफिकेट के साथ फोटो शेयर करते हुए बताया कि उनकी घर वापसी हो रही है. उन्होंने कैप्शन में लिखा, जल्द ही भारत आ रहे हैं. आप सभी के इतने प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत शुक्रिया. हमारी 'घर वापसी' को मुमकिन बनाने के लिए इंडियन एंबेसी का बहुत-बहुत शुक्रिया. कपल ने अपनी घर वापसी के लिए इंडियन एंबेसी को धन्यवाद दिया.

इंडियन एंबेसी से कॉन्टैक्ट किया

दरअसल हुआ कुछ यूं कि 10 जुलाई को विवेक और दिव्यांका इटली के फ्लोरेंस शहर घूमने के लिए गए थे. वहां रहने के लिए वो होटल देख रहे थे. इसी के चलते वो एक प्रॉपर्टी देखने के लिए गए और उन्होंने अपनी कार पार्क की, जिसमें सभी डॉक्यूमेंट्स और बाकी चीजें छोड़ दी. लेकिन जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो उनकी कार के साथ तोड़फोड़ की गई थी और कार के अंदर रखा सामान और डॉक्यूमेंट्स, जिसमें उनके पासपोर्ट भी थे, चोरी हो गया था. इसके बाद कपल वहां फंस गया था. लेकिन उन्होंने हिम्मत से काम लिया और मदद के लिए इंडियन एंबेसी से कॉन्टैक्ट किया.

दिव्यांका और विवेक

अब दिव्यांका और विवेक की तस्वीर देखकर उनके फैन्स को भी राहत मिल गई है. हालांकि दोनों का सामान मिल गया है या नहीं. इस बारे में जानकारी नहीं है. क्योंकि दोनों ने इमरजेंसी सर्टिफिकेट के साथ इंडिया वापसी करने की ही बात लिखी है. दिव्यांका त्रिपाठी टीवी का एक-जाना चेहरा हैं. विवेक और उनकी जोड़ी को लोग खूब पसंद करते हैं और उन पर खूब प्यार बरसाते हैं.

पहले कीमो सेशन के बाद पहला शूट...कैंसर से जंग लड़ रहीं

हिना खान

काम पर लौटीं

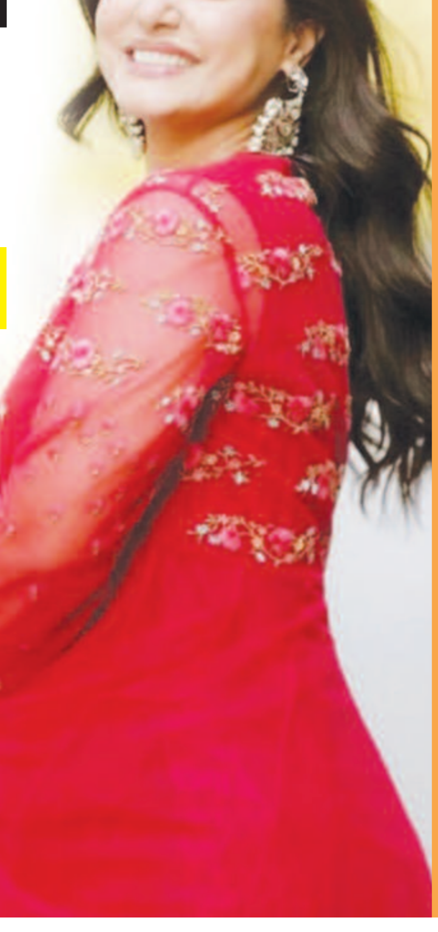

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुज़र रही हैं. पर उनके चेहरे पर अब भी पहले जैसी ही चमक दिख रही है. हाल ही में हिना को पता चला था कि उन्हें स्टेज 3 का ब्रेस्ट कैंसर हुआ है. बीमारी का पता लगते ही उन्होंने इलाज शुरू किया. उनकी कीमोथेरेपी का पहले सेशन भी हो गया है और अब हिना काम पर लौट गई हैं.सोमवार को हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है. वीडियो में वो शूट के लिए तैयार होती नज़र आ रही हैं. उनके शरीर पर कीमो सेशन के निशान भी नज़र आ रहे हैं. हिना वीडियो में कहती हैं, पहले कीमो सेशन के बाद ये मेरा पहला शूट है. जितना हो सके, टांके के निशान छिपाने की कोशिश कर रही हूं.

हिना खान करती रहेंगी काम

इस दौरान टांके छिपाने के दौरान हिना को दर्द होने लगता है, जिससे वो थोड़ा परेशान हो जाती हैं. हिना कहती हैं कि मैं पहले शूट के लिए पूरी तरह से तैयार हूं. अपने मेकअप आर्टिस्ट सचिन की ओर इशारा करते हुए वो कहती हैं कि हम हार नहीं मानेंगे. हिना बताती हैं कि सचिन हमेशा कहते हैं कि 'द शो मस्ट गो ऑन'. इस वीडियो में हिना ये भी बता रही हैं कि कीमोथेरेपी के अभी और सेशन होने बाकी हैं. हिना वीडियो में जज्बा दिखाती दिख रही हैं. वो कहती हैं, हम लड़ेंगे, हम शूटिंग करते रहेंगे, कड़ी मेहनत करते रहेंगे. और हम जीतेंगे. हाल ही में हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ कुछ इमोशनल तस्वीरें शेयर की थीं. हिना ने बताया था कि जब मां को उनके कैंसर के बारे में पता चला था तब उनकी कैसी हालत हो गई थी.

एक ऐसा एक्टर जिसके सामने तारक मेहता के प्रोडक्शन हाउस को भी झुकना पड़ा

मशहूर कवि और एक्टर शैलेश लोढ़ा का आज 55वां जन्मदिन है. शैलेश लोढ़ा ने अपने करियर की शुरुआत सोनी, सब टीवी के मशहूर टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के साथ की थी. टाइटल रोल के साथ उन्हें इस सीरियल का सूत्रधार भी बनाया गया था. लगभग 14 साल असित मोदी के इस शो में काम करने के बाद, प्रोडक्शन हाउस से हुई अनबन के चलते उन्होंने टीवी के इस मशहूर शो को अलविदा करने का फैसला लिया. अल्लू अर्जुन के पुष्पा की तरह शैलेश लोढ़ा भी प्रोडक्शन हाउस के सामने कभी झुके नहीं बल्कि उन्होंने तारक मेहता जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस को खुद के सामने झुकने के लिए मजबूर कर दिया.दरअसल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' क्विट करने के बाद भी शैलेश लोढ़ा को उनका बकाया नहीं दिया गया था. लगभग एक साल तक उन्होंने प्रोडक्शन की तरफ से उन्हें उनके हक के पैसे मिलने का इंतजार किया. लेकिन जब लंबे इंतजार के बाद भी उन्हें प्रोडक्शन की तरफ से पैसे नहीं मिले, तब शैलेश लोढ़ा ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में असित मोदी और उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'नीला टेलीफिल्म्स' के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया. कोर्ट ने इस पूरे मामले में शैलेश लोढ़ा के पक्ष में फैसला सुनाते हुए 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोडक्शन को उन्हें बकाया देने का आदेश दिया और आखिरकार असित मोदी के प्रोडक्शन ने शैलेश लोढ़ा को 1 करोड़ 5 लाख 85 हजार की रकम का डिमांड ड्राफ्ट देकर उन्हें उनके हक के पैसे दे दिए.

अपनी बात पर अड़े रहे शैलेश लोढ़ा

अपनी जीत के बाद इटाइम्स टीवी के साथ की खास बातचीत में शैलेश लोढ़ा ने कहा था कि उनकी ये लड़ाई पैसे की लिए नहीं बल्कि न्याय और आत्मसम्मान के लिए थी और इस केस में जीत हासिल करने के बाद उन्हें ऐसे लग रहा है कि उन्होंने कोई बड़ी जंग जीत ली है. शैलेश आगे बोले कि मैं इस जीत से बहुत खुश हूं कि आखिरकार ये सच्चाई सबके सामने आ गई है. दरअसल वो लोग (मेकर्स) चाहते थे कि बकाया देने से पहले मैं कुछ पेपर्स पर साइन करूं, इन पेपर में कई शर्तें थीं. इन शर्तों में से एक थी कि मैं मीडिया से बात नहीं करता. लेकिन मैं उनके सामने नहीं झुका. अपने हक की पैसे पाने के लिए मैं कोई पेपर क्यों साइन करूं.

शिवानी कुमारी की क्लास लगाने आए रवि किशन, फूट-फूटकर रोते हुए बोलीं- मम्मी कसम...

बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में शिवानी कुमारी की बदतमीजी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है. हर हफ्ते 'वीकेंड का वार' पर अनिल कपूर उनकी खूब क्लास लगाते हैं. लेकिन शिवानी कुमारी उनकी बातों को अक्सर नजरअंदाज करती हुई नजर आती हैं. जब इस बारे में उन्हें सवाल पूछा जाए तब उनकी तरफ से एक ही जवाब दिया जाता है और वो है, 'हम तो भैया, ऐसे ही हैं और हम जहां से हैं, वहां यही भाषा बोली जाती हैं.' उनके इस ऐटिटूड के चलते इस हफ्ते शिवानी की क्लास लगाने मशहूर एक्टर रवि किशन अनिल कपूर के साथ 'वीकेंड का वार' में शामिल हुए थे.अनिल कपूर ने रवि किशन की सरप्राइज एंट्री के बारे में बात करते हुए कहा कि आमतौर पर बिग बॉस के मंच पर सेलिब्रिटी अपने शो या फिल्म का प्रमोशन करने आते हैं. लेकिन रवि किशन यहां सिर्फ शिवानी से मिलने आए हैं. रवि किशन ने शिवानी की क्लास लगाते हुए कहा कि हम खुद गांव से हैं और तुम्हारे गांव में भी हमने एक फिल्म की शूटिंग की है. वहां के लोग बहुत मीठी भाषा में बात करते हैं, लोगों को सम्मान देते हैं. औरैया (शिवानी का गांव) के लोगों की बातों में कितना गन्ने का मीठा रस होता है. लेकिन तुम ये करेले का जूस तुम कहां से लेकर आई हो. सोशल मीडिया पर कितने लोग तुम्हें फॉलो करते हैं और एक शो के लिए तुमने क्यों ऐसा अजीब रूप धारण कर लिया है.

फूट-फूटकर रोई शिवानी कुमारी

आगे रवि किशन बोले, भाषा की आड़ में आप इस शो से जुड़े लोगों का अपमान नहीं कर सकतीं. हमारे देश का कोई भी गांव, कोई भी भाषा और हमारे देश की संस्कृति सामने वाले को अपमानित करना नहीं सिखाती. आप यहां गांव के लोगों की गलत इमेज बना रही हैं. जब शिवानी ने रवि किशन की बातें सुनी तब वो फूट-फूटकर रोने लगीं. उन्होंने कहा कि सर, आप जाकर हमारे वीडियो देखिए, हम इस तरह से ही वीडियो में बात करते हैं.

रवि किशन ने किया मार्गदर्शन

शिवानी की बात सुनकर रवि किशन ने उन्हें समझाते हुए कहा कि वो खुद बिग बॉस के शो का हिस्सा भी रह चुके हैं. उन्होंने कहा,मैं खुद 3 महीने इस घर में रहा हूं. मैं आपका पागलपन समझ सकता हूं. लेकिन इस शो ने मुझे बहुत प्यार दिया है. आप भी आपको मिले हुए मौके का सही इस्तेमाल करना और एक बात याद रखना कि किसी को अपमानित करके, किसी को काट-पीट के, किसी को चोट पहुंचा के, किसी को नीचा दिखा के आप इस शो में आगे नहीं बढ़ सकतीं.